संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 61 बुधवार 01 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

घूस कांड में फंसे सीबीआई इंस्पेक्टर का पुरस्कार रद्द

गृह मंत्रालय द्वारा नोटिफिकेशन जारी

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के इंस्पेक्टर राहुल राज को 2023 में उत्कृष्टता के लिए गृह मंत्रालय द्वारा दिया गया गृह मंत्रालय का मेडल अब रद्द कर दिया गया है। यह कदम राहुल राज की घूस लेने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद उठाया गया है। इस मामले में गिरफ्तारी के बाद, गृह मंत्रालय ने सीबीआई इंस्पेक्टर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार वापस ले लिया है और संबंधित नोटिफिकेशन जारी किया है। इस घटनाक्रम ने सीबीआई और जांच एजेंसियों की छवि को आहत किया है, और अब मामले की जांच तेजी से की जा रही है।

मणिपुर हिंसा पर सीएम बीरेन सिंह ने मांगी माफी

इंफाल,31 दिसम्बर 2024 (ए)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने 3 मई, 2023 से हो रही हिंसा के लिए राज्य के लोगों से माफी मांगी है। उन्होंने मणिपुर की आबादी के सभी वर्गों से अपील की कि वे भविष्य में शांति और सद्भाव के लिए प्रयास करते हुए आने वाले नए साल में अतीत को माफ कर दें और भूल जाएं। उन्होंने यह टिप्पणी मंगलवार को राजधानी इंफाल में अपने आवास पर सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों तथा आगामी वर्ष के लिए उसकी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए की। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बीरेन सिंह ने घोषणा की कि हवाई जहाज से यात्रा के लिए महंगे किराए की समस्या को समाप्त करने के लिए मणिपुर सरकार किफायती दर पर एलायंस एयर सेवाएं शुरू करेगी।

एआईएमआईएम ने लगाया दागी चेहरे पर दांव

» शाहरुख-ताहिर जैसे दागी चेहरे...

» दिल्ली में कितना कमाल कर पाएंगे ओवैसी

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली चुनाव की दहलीज पर है और सभी सियासी पार्टियां मैदान में उतरकर लोगों को अपनी तरफ खींचने में लग गई हैं। आम आदमी पार्टी एक बार फिर से लोक लुभावनी स्कीमों का ऐलान कर रही है। आप की इन स्कीमों पर भारतीय जनता पार्टी तरह-तरह के सवाल उठा रही है, साथ ही कांग्रेस भी दिल्ली सरकार की इन स्कीमों को गलत बताने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। दिल्ली के पिछले कुछ चुनावों पर नजर डालें तो अब तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ही मुख्य पार्टियां हुआ करती थी लेकिन इस बार असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी राजधानी में अपने लिए सियासी जमीन तलाशने में लग गई है।

ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन इससे पहले यूपी, बिहार, महाराष्ट्र,गुजरात जैसे राज्यों के विधानसभा में चुनाव में अपनी किस्मत आजमा चुकी है। कुछ राज्यों में पार्टी को उम्मीद के मुताबिक नजीते मिले हैं, जबकि कुछ राज्यों में तो सूपड़ा ही साफ हो गया। हालांकि असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अभी तक राष्ट्रीय राजधानी के चुनावों से दूर थी लेकिन इस बार उन्होंने इस दंगल में कूदने का इरादा बना लिया और उम्मीदवारों के नाम भी ऐलान करने शुरू कर दिए हैं। हालांकि एआईएमआईएम पर विवादत चेहरों की बदौलत दिल्ली में अपना दम दिखाने का आरोप लग रहा है।

आप ने छोड़ा, एआईएमआईएम ने अपनाया

ओवैसी की पार्टी ने दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद रहे ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से अपना उम्मीदवार बना दिया है। ताहिर हुसैन दिल्ली दंगों में आईबी कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के आरोप में जेल में हैं। अपने पार्षद पर आरोप लगने के बाद आम आदमी पार्टी ने उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया था. बात सिर्फ एक चेहरे पर खत्म नहीं हो रही, क्योंकि एक और विवादित चेहरे को पार्टी की तरफ टिकट दिए जाने के कयास लगाए जा रहे हैं।

शाहरुख का नाम भी आया चर्चा में

कहा जा रहा है कि एआईएमआईएम शाहरुख को भी अपना उम्मीदवार बना सकती है। शाहरुख पर दिल्ली दंगों के दौरान पुलिसकर्मी पर पिस्टल तानने का आरोप था। हाल ही में एआईएमआईएम के दिल्ली इकाई के अध्यक्ष शोएब जामई से शाहरुख के परिवार वालों ने मुलाकात की थी। इसके बाद खुद एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष शोएब ने शाहरुख के परिवार से बात की थी। इस दौरान जामई ने संकेत दिए थे कि अगर उनका परिवार और स्थानीय लोग चाहते हैं तो हम उन्हें चुनाव लड़वा सकते हैं। ऐसे मे एआईएमआईएम पर सभी यह सवाल उठा रहे हैं कि पार्टी विवादित चेहरों पर किस्मत आजमाकर साबित क्या करना चाहती है?

मुस्लिमों नेतृत्व क्यों नहीं ?

बता दें कि राजधानी का मुस्लिम वोटर कभी कांग्रेस का हुआ करता था लेकिन पिछले कुछ चुनावों से ये वोट आम आदमी की तरफ हो गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगरएआईएमआईएम को दिल्ली के चुनावी रण में अपनी जगह बनानी है तो ताहिर हुसैन और शाहरुख जैसे चेहरे अहम हो जाते हैं। इस तरह के चेहरों को मैदान में उतारकर एआईएमआईएम खुद को मुस्लिम समाज के बीच उनके सच्चे हितैषी के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रही है। ताहिर हुसैन के समर्थन में रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने भी कहा कि हर समुदाय के लिए राजनीतिक नेतृत्व है तो मुस्लिमों के लिए क्यों नहीं।

कितना कमाल करेगी एआईएमआईएम ?

ये बता पाना तो थोड़ी मुश्किल है कि एआईएमआईएम कितना कमाल कर पाएगी। हालांकि उसके अन्य राज्यों के प्रदर्शन पर नजल डाली जा सकती है। हाल ही में महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में ओवैसी ने 16 उम्मीदवार उतारे थे लेकिन 1 ही सीट जीत पाई। जबकि पिछली बार एआईएमआईएम ने 44 उम्मीदवार उतारे थे और सिर्फ 2 सीटें ही अपने नाम कर पाए थे। इसके अलावा बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में एआईएमआईएम ने 20 उम्मीदवार मैदान उतारे थे और यहां उसे 5 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। इससे भी पहले गुजरात के चुनावों की तरफ देखें तो वहां एआईएमआईएम को नोटा से भी कम वोट मिले थे। आंकड़ों के मुताबिक ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में 0.29 फीसद वोट शेयर मिला है। यह आंकड़ा नोटा को मिले वोट प्रतिशत से भी कम है। गुजरात चुनाव में 1.58 प्रतिशत वोट शेयर नोटा मिला है।.

दिल्ली किसका खेल बिगाड़ेगीएआईएमआईएम ?

राजधानी दिल्ली में एआईएमआईएम पहली बार चुनाव लड़ेगी। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी हो जाता है कि आखिर वो किसके वोट काटने जा रही है। सबसे पहले बात करते हैं राज्य में मुस्लिम वोटों की। 2011 की जनगणना के मुताबिक राज्य में 12 फीसद मुस्लिम हैं। एआईएमआईएम मुस्तफाबाद, सीलमपुर, बाबरपुर, चांदनी चौक, ओखला, जंगपुरा और बल्लीमारान जैसी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार सकती है। ये सीटें लगभग आम आदमी पार्टी के खाते में हैं, ऐसे में जाहिर है किएआईएमआईएम आम आदमी पार्टी के लिए नुकसानदह साबित होने जा रहे हैं।

इसरो ने लहराया भारत का परचम

स्पैडेक्स मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024 (ए)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करना है।

स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इससे पहले रॉकेट की लॉन्चिंग पर उसने लिखा था, लिफ्ट ऑफ ! पीएसएलवी-सी 60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा। अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर एक्स पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। सिंह ने कहा कि यह तकनीक गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आकाश से आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी।

जमकर लताड़ा...खतरनाक गैंगस्टर गोल्डी बराड़ से कहा पुलिस अपना काम कर रही है...

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024 (ए)। खतरनाक गैंगस्टर और कनाडा से अपराध के रैकेट को चलाने वाले गोल्डी बराड़ को पंजाब पुलिस के डीएसपी बिक्रम सिंह ने जमकर लताड़ा है। बिक्रम सिंह की गोल्ड बराड़ से फोन कॉल पर की गई बातचीत का ऑडियो वायरल हो रहा है। इस कॉल में गोल्डी बराड़ शुरुआत में डीएसपी बिक्रम सिंह को धमकाने की कोशिश करता है। वह आरोप लगाता है कि पुलिस ने उसकी गैंग में कई इनफॉर्मर्स को प्लांट कर दिया है। इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। पंजाब पुलिस के पूर्व एएसआई के बेटे सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर कई गंभीर आरोपों में मुकदमे दर्ज हैं। उस पर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या करने की साजिश रचने का भी आरोप है। कहा जाता है कि इस कांड का मास्टरमाइंड गोल्डी बराड़ ही था।

वायरल कॉल में सुना जा सकता है कि बिक्रम कहते हैं कि इस नंबर से उन्हें पहले भी कई कॉल आए हैं। अनजान नंबर से कॉल था और वह भी रात में आ रहा था। इसलिए उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया था। इससे पता चलता है कि शायद गैंगस्टर ने पहले भी डीएसपी बिक्रम सिंह से बात करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्होंने फोन ही नहीं उठाया। इसके बाद अगले दिन दोनों की बात होती है, जिसका ऑडियो चर्चा में है। गोल्डी बराड़ को धमकाते हुए डीएसपी कहते हैं कि पुलिस अपना काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम तो कानून के हिसाब से अपना काम कर रहे हैं। हम किसी अपराधी को या गैर-कानूनी काम करने वाले को नहीं छोड़ेंगे। डीएसपी बिक्रम सिंह बराड़ कहते हैं, हम अपना काम कर रहे हैं। हमारे लिए तुम या अन्य कोई गैंगस्टर या कोई और कुत्ता या गधा बराबर हैं। यदि तुमने अपना रास्ता नहीं बदला तो तुम्हारा अंजाम भी होगा, जो अन्य किसी का होता है।

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया

महू,31 दिसम्बर 2024 (ए)। भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात,जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, अब 21,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली स्तर को पार कर गया है। इसी के साथ हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में बनाए गए उपकरणों (मेड इन इंडिया इक्विप्मेंट) को दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। सिंह ने कहा कि लगातार आगे बढ़ते और विकसित होते समय में एडवांस टेक्नोलॉजी में निपुणता हासिल करना समय की मांग है।

उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में कहा, इंफॉर्मेशन वॉरफेयर, एआई बेस्ड वॉरफेयर, प्रॉक्सी वॉरफेयर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और साइबर अटैक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। उन्होंने इस तरह के हमलों से लड़ने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की जरूरत पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन्फेंट्री स्कूल में वेपन ट्रेनिंग, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग के जरिए इंटीग्रेशन बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया।

शाही स्नान अब 'अमृत स्नान' के नाम से जाना जाएगा,सीएम योगी ने की बड़ी घोषणा

प्रयागराज,31 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ 2025 के शाही स्नान को अब 'अमृत स्नान' के नाम से जाना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज दौरे के दौरान यह ऐतिहासिक घोषणा की।सीएम योगी ने नैनी स्थित बायो सीएनजी प्लांट का उद्घाटन और फाफामऊ में स्टील ब्रिज का लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने महाकुंभ के लिए चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। संगम घाटों की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही उन्होंने गंगाजल का आचमन भी किया।

निर्मला देवी की ग्रीन आर्मी को पीएम मोदी से मिली प्रशंसा

सामाजिक बदलाव में अहम योगदान

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024 (ए)। वाराणसी के पास स्थित देवरा गांव की सशक्त महिला नेता निर्मला देवी ने अपनी 'ग्रीन आर्मी' के साथ मिलकर समाज में बदलाव की एक नई मिसाल पेश की है। महिलाएं, जिन्हें 'ग्रीन आर्मी' के नाम से जाना जाता है, वे संघर्ष और सामूहिक प्रयासों से समाज में बदलाव ला रही हैं।

हाल ही में, इन महिलाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक प्रेरणादायक पत्र मिला है। जिसमें उनकी मेहनत और समर्पण को सराहा गया है। इसमें उनके चप्पल कारखाने की भी सराहना की गई है। पीएम नरेंद्र मोदी का ये पत्र न केवल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है, बल्कि यह उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की भी मान्यता है। मोदी आर्काइव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंगलवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें देवरा गांव की 'ग्रीन आर्मी' को सराहा गया है। इस क्लिप में ग्रीन आर्मी की निर्मला देवी की भावनाओं को सम्मान दिया गया है। जो वीडियो में एक जगह कहती हैं-'अगर वह इसे पहनेंगे, तो हर कोई पहनेगा! इस पोस्ट में ग्रीन आर्मी के सफर की जानकारी है। लिखा है, देवरा में दृढ़ निश्चयी महिलाओं का एक समूह 'ग्रीन आर्मी' एक-दूसरे का समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक साथ आया था। उनकी यात्रा एक चप्पल फैक्ट्री की स्थापना के साथ शुरू हुई। लेकिन उन्होंने जो पहली जोड़ी चप्पल बनाई थी, वह बिक्री के लिए नहीं थी। इसे किसी खास को भेजा जाना था।

उन्होंने अपने दिल में आशा और विश्वास के साथ उन्हें वो चप्पल भेजी, यह विश्वास करते हुए कि यदि वह उन्हें पहनेंगे, तो दुनिया उनकी कहानी और उनके सपनों को पहचान लेगी। कुछ दिनों बाद एक पत्र आया। निर्मला देवी ने जब उसे हाथ में लिया तो उनकी आंखें खुशी से चमक उठीं। उन्होंने उत्साहित होकर कहा, ऐसा लगा जैसे वह हमारे बीच ही थे। ऐसा लगा जैसे मैं खुद प्रधानमंत्री मोदी से मिल रही हूं! यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रशंसा पत्र था। पत्र में 'ग्रीन आर्मी' की बहनों के लिए एक संदेश था। पत्र में लिखा था, मुझे आपकी चप्पल फैक्ट्री के बारे में जानकर बहुत खुशी हुई और मैं आपके द्वारा बनाए गए विचारशील उपहार की बहुत सराहना करता हूं। मुझे यह देखकर बहुत गर्व होता है कि आप जैसी महिलाएं हमारे देश और समाज की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और इसमें योगदान दे रही हैं।

जनवरी 2025 में 15 दिन बंद बैंक रहेंगे

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024(ए)। नए साल की शुरुआत में बैंकिंग सेवाओं में बाधा आ सकती है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, जनवरी 2025 में देश भर के बैंक कुल 15 दिनों के लिए बंद रहेंगे। ये बैंक बंद विभिन्न राज्यों और धर्मों के त्योहारों और राष्ट्रीय अवकाशों के कारण रहेंगे। उदाहरण के लिए, मकर संक्रांति, पोंगल, गुरु गोबिंद सिंह जयंती आदि जैसे त्योहारों के कारण बैंक बंद रहेंगे।

इन तारीखों को रहेंगे बैंक बंद

1, 2, 5 और 6 जनवरी

1 जनवरी को नया साल है इसलिए कुछ राज्यों में बैंकों की छुट्टी रहेगी। जबकि, 2 जनवरी को नया साल और मन्नम जयंती के कारण बैंक बंद रहेंगे।

5 जनवरी को रविवार है जिसके कारण पूरे देश भर में बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 6 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह जयंती के मौके पर हरियाणा और पंजाब में बैंक बंद रहेंगे।

11, 12, 14 और 15 जनवरी

11 जनवरी को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देश के सभी बैंकों में अवकाश रहेगा। दूसरी तरफ 12 जनवरी को रविवार की वजह से और स्वामी विवेकानंद जयंती होने की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा।

14 जनवरी को मकर संक्रांति और पोंगल के कारण कुछ राज्यों के बैंक बंद रहेंगे। वहीं, 15 जनवरी को तिरुवल्लुवर दिवस, माघ बिहू की वजह से असम में और मकर संक्रांति के चलते भी बैंक की छुट्टी रहेगी।

16, 19, 22 और 23 जनवरी

16 जनवरी को कनुमा पंडुगु के कारण अरुणाचल प्रदेश के बैंक में छुट्टी होगी और 19 जनवरी को रविवार की वजह से बैंकों में अवकाश रहेगा।

22 जनवरी को इमोइन के कारण और 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर बैंकों की छुट्टी रहेगी।

25, 26 और 30 जनवरी

25 जनवरी को महीने के चौथे शनिवार के कारण बैंकों में काम नहीं होगा। जबकि, 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का राष्ट्रीय अवकाश होने के कारण बैंक बंद रहें।

30 जनवरी को सोनम लोसर होने की वजह से सिक्किम में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

क्या करें अगर बैंक बंद हैं?

आज के डिजिटल युग में बैंकिंग सेवाएँ अधिक सुलभ और सुविधाजनक हो गई हैं। अधिकांश बैंकिंग कार्य आप ऑनलाइन कर सकते हैं, जहाँ नेट बैंकिंग या मोबाइल ऐप के माध्यम से आप आसानी से पैसे ट्रांसफर, बिल पेमेंट आदि कर सकते हैं। इसके अलावा, नकदी निकालने के लिए आप एटीएम का उपयोग कर सकते हैं, जो किसी भी समय उपलब्ध होता है। यदि आपको किसी जरूरी काम के लिए बैंक शाखा में जाना हो, तो आप शाखा के खुलने के समय का पता लगा सकते हैं और उसी समय पर जाकर अपने कार्य पूरे कर सकते हैं। इस प्रकार, ऑनलाइन बैंकिंग, एटीएम सुविधाएँ और शाखा समय की जानकारी मिलकर बैंकिंग को सरल और सुविधाजनक बनाते हैं।

ब्रेन डेथ होने के बाद कई जिंदगियों को रोशन कर गए सुरेंद्र जैन

दोनों हाथ दान का इन्दौर में पहला मामला

भोपाल,31 दिसम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में ब्रेन डेथ होने के बाद एक स्थानीय व्यापारी कई जिंदगियों को रोशन कर गए। इंदौर में 60 वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया एवं ब्रेन डाइड पेशेंट स्व. सुरेंद्र जैन के लिवर, 2 हाथ, 2 किडनी, आंख और त्वचा दान हुआ। मनोरमा गंज इंदौर निवासी एवं टाइल्स व्यापारी सुरेंद्र जैन (पोरवाल) शेल्बी हॉस्पिटल इंदौर में उपचाररत थे। यहां उनके ब्रेन डेथ होने पर अंगदान के लिए मुस्कान ग्रुप ने संपर्क किया। परिवार द्वारा अंगदान की स्वीकृति के बाद ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया।तीनों ग्रीन कॉरिडोर एक साथ शुरू हुए। प्रथम ग्रीन कॉरिडोर शेल्बी हॉस्पिटल से एयरपोर्ट के लिए शाम 6.25 प्रारंभ होकर 6.37 संपन्न हुआ। दूसरा ग्रीन कॉरिडोर राजश्री अपोलो हॉस्पिटल के लिए शुरू होकर 6.32 पर संपन्न हुआ एवं तीसरा ग्रीन कॉरिडोर चोइथराम हॉस्पिटल के लिए शुरू होकर 6.35 पर संपन्न हुआ। राष्ट्रीय स्तर पर अंगों के आवंटन का कार्य किया गया। हाथ ग्लोबल हॉस्पिटल मुंबई, लिवर जूपिटर हॉस्पिटल मुंबई, एक किडनी चोइथराम हॉस्पिटल और दूसरी किडनी राजश्री अपोलो हॉस्पिटल को आवंटित की गई। नेत्रदान एमके इंटरनेशनल आई बैंक एवं त्वचा दान चोइथराम स्किन बैंक के द्वारा प्राप्त किया गया।

सोटो कार्यालय हुआ वार रूम में तब्दील

इंदौर संभाग आयुक्त दीपक सिंह की सतत मॉनिटरिंग में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता और इंदौर सोसाइटी फॉर ऑर्गन डोनेशन के सेक्रेटरी डॉ. वीपी पांडे की टीम के मॉनिटरिंग के साथ राष्ट्रीय स्तर पर अंग आवंटन के लिए कार्यरत थी और सोटो मध्य प्रदेश का कार्यालय वार रूम में तब्दील हो गया था।

संपादकीय

विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी

संकेत साफ है। श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। दिसानायके ने यह दो टूक भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनूरा कुमारा दिसानायके की यात्रा से भारत को दो आश्वासन मिले। पहला तो यही कि दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में अपनी विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना।नई दिल्ली में उसका मतलब यह समझा गया है कि श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। फिर दिसानायके ने भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी। मतलब यह समझा गया कि चीनी खोजी एवं अन्य जहाजों को श्रीलंका में लंगर डालने की अनुमति दी भी गई, तो श्रीलंका सरकार सुनिश्चित करेगी कि वे वहां से भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। दिसानायके अगले महीने चीन जाने वाले हैं। चूंकि भारत में पड़ोसी देशों के चीन से संबंध को लेकर एक खास तरह की संवेदनशीलता रहती है, इसलिए निश्चित रूप से यहां के कूटनीतिकों की नजर उस यात्रा पर रहेगी।फिलहाल, यह साफ हुआ है कि श्रीलंका की नई सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हैं। 2022 में जिस आर्थिक संकट में देश फंसा था, उसके असर से आज भी नहीं उबर पाया है।ऊपर से आईएमएफ से लिए गए कर्ज की शर्तों ने सरकार के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में भारत जैसे बड़े पड़ोसी देश के साथ किसी विवाद में उलझने का जोखिम वहां की सरकार शायद ही उठा सकती है। मगर वह चीन की उपेक्षा करने की स्थिति में भी नहीं है, जिसका बहुत भारी निवेश श्रीलंका में है। संकेत यह है कि दिशानायके इन दोनों बड़े देशों की संवेदनशीलताओं का ख्याल करते हुए फिलहाल दोनों से सद्भावपूर्ण संबंध को प्राथमिकता दे रहे हैं। नई दिल्ली में यह संदेश देने के बाद उनकी कोशिश बीजिंग में भी ऐसा ही पैगाम देने की होगी। बहरहाल,भारत यात्रा के दौरान, जैसाकि अक्सर शिखर नेताओं की यात्रा के समय होता है, कुछ महत्त्वपूर्ण व्यापार एवं रक्षा समझौते भी हुए। इनसे भी सकारात्मक प्रभाव पैदा हुआ है। भारत के लिए अच्छी बात है कि जिस समय विभिन्न पड़ोसी देशों से चुनौती भरे संकेत आ रहे हैं,श्रीलंका ने उसे आश्वस्त किया है।

नया वर्ष स्त्रियों के अधिकारों और सम्मान का वर्ष हो

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़,

महिलाओं को सशक्त, सक्षम बनाया जाए

नव वर्ष 2025 के आगमन पर केवल शुभकामनाओं और बधाइयों के संदेश का आदान-प्रदान और उत्सव ना होकर नया वर्ष स्त्रियों के संपूर्ण सम्मान तथा वास्तविक अधिकार देने का वर्ष होना चाहिए। नव वर्ष में स्त्री,बच्चों तथा बुजुर्गों के लिए एक महती कार्य योजना तैयार कर उनका संरक्षण तथा उन्नयन निश्चित होना चाहिए। भारतीय संस्कृति और इतिहास में स्त्रियों को सदैव उच्च स्थान प्रदान किया गया हैद्य यह भी मान्यता मानी गई है कि जिस घर में स्त्री का सम्मान होता है, वह घर धन-धान्य से परिपूर्ण हो कर समाज में विशिष्ट स्थान बनाता है। यही कारण है कि भारत देश को भारत माता कहा जाता है। नारी तथा समस्त स्त्री जाति ने भारत देश का मान सदैव शीर्षस्थ बना कर रखा है ऐसे अनगिनत उदाहरण इतिहास में और वर्तमान में हमारे समक्ष हैं जिससे हमारा सिर सदैव वैश्विक स्तर पर ऊंचा हुआ है।

महान शासक नेपोलियन बोनापार्ट ने नारी की महत्ता को बताते हुए कहा था कि मुझे एक योग्य माता दे दो, मैं तुम्हें एक योग्य राष्ट्र दूंगा। मानव कल्याण की भावना, कर्तव्य, सृजनशीलता और ममता को सर्वोपरि मानते हुए महिलाओं ने इस जगत में मां के रूप में अपनी सर्वोपरि भूमिका को निभाते हुए राष्ट्र निर्माण और विकास में अपने विशेष दायित्वों का निर्वहन किया है। किसी भी राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं का महत्व इसलिए भी सर्वोपरि है कि महिलाएं बच्चों को जन्म देकर उनका पालन पोषण करते हुए उनमें संस्कार एवं सदुणों का उच्चतम विकास करती हैं,और राष्ट्र के प्रति उनकी जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है। जिससे राष्ट्र निर्माण और विकास निर्बाध गति से होता रहे। वीर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, विवेकानंद जैसी विभूतियों का देश हित में अवतार माँ के लालन-पालन की ही देन है। जीजाबाई,जयंताबाई, पन्ना धाय जैसी अनेक माताओं को त्याग समर्पण और त्याग को भी इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों से अंकित किया गया है। माताएं ही हैं जो बहुआयामी व्यक्तित्व का निर्माण और विकास करती है। मूलतः माताएं, स्त्रियां की राष्ट्र निर्माण की सशक्त सूत्रधार होती है। राष्ट्र निर्माण के संदर्भ में नारी विधाता की सर्वोत्तम और उत्कृष्ट कृति है। जो जीवन की बगिया को महकाती है और न केवल व्यक्तिगत बल्कि राष्ट्र निर्माण एवं विकास में अपनी महती भूमिका निभाती है। नारी के लिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि उनमें विविधता में एकता होती है। महिलाओं के बाह्य रूप और सौंदर्य तथा पहनावे में विस्तृत विविधता तो होती ही है, लेकिन उनके मानस में एक आकार और केंद्रीय शक्ति ईश्वर की तरह एक ही होती है। नारी का स्वरूप न केवल बाहर अपितु अंतर्मन के ममत्व भाव का वृहद स्वरूप का भी रहस्योद्घाटन करती हैं, नारी प्रकृति एवं ईश्वरिय जगत का अद्भुत पवित्र साध्य है, जिसे अनुभव करने के लिए पवित्र साधन एवं दृष्टि का होना आवश्यक है, नारी का स्वरूप विराट होता है जिसके समक्ष स्वयं विधाता भी नतमस्तक हो जाते हैं, नारी अमृत वरदान होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है। समाज के सांस्कृतिक धार्मिक भौगोलिक ऐतिहासिक और साहित्यिक जगत में नारी यानी स्त्री का दिव्य स्वरूप प्रस्फुटित हुआ है और जिसके फलस्वरूप राष्ट्र ने नई नई ऊंचाइयों को भी शिरोधार्य किया है। सभ्यता, संस्कृति,संस्कार और परंपराएं महिलाओं के कारण ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होती हैं । अतः महिलाओं की सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक कार्य शक्ति ही परिवार तथा समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। नारियों के संदर्भ में यह भी कहा गया है कि सशक्त महिला सशक्त समाज की आधारशिला होती है। माताएं शिशु की प्रथम शिक्षिका होती है। माता के बाद बहन,पत्नी का अवतार राष्ट्र निर्माण और विकास के साथ-साथ पथ प्रदर्शक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, पत्नी चाहे तो पति को गुणवान और सदुणी बना सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कभी देश में संकट आया है तो पत्नियों ने अपने पतियों के माथे पर तिलक लगाकर जोश, जुनून और विश्वास के साथ रणभूमि भेजा है और विजयश्री प्राप्त की है। तुलसीदास जी के जीवन में आध्यात्मिक चेतना प्रदान करने के लिए उनकी पत्नी रत्नावली का ही हाथ था।विद्योत्मा ने कालिदास को संस्कृत का प्रकांड महाकवि बनाया था, इसके अतिरिक्त यह कहना भी गलत नहीं होगा कि पति को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट,गबन आदि जो कि राष्ट्र को खोखला बनाते हैं जैसी बुराइयों से पत्नी ही दूर रख सकती है और उन्हें इन विसंगतियों से अपनी सलाह के अनुसार बचाती है। सही मायनों में महिलाएं ही संस्कृति, संस्कार और परंपराओं की संरक्षिका होती है। वे पीढ़ी दर पीढ़ी इसका संचालन आरक्षण करती आ रही है। पूरे विश्व में भारत को विश्व गुरु का दर्जा दिलाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महती रही है। स्वतंत्रता के आंदोलन की चर्चा ना करना इस आलेख को पूर्ण बनाता है, अतः स्वाधीनता के आंदोलन में महिलाओं ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर भारत के नवनिर्माण में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अरूणा आसफ अली, मैडम भीकाजी कामा,सरोजिनी नायडू,एनी बेसेंट, दुर्गा भाभी और न जाने कितनी महिलाओं ने राष्ट्र निर्माण और विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है। राजनीति के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, विजयलक्ष्मी पंडित विश्व की प्रथम महिला जो संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष बनी, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, इंदिरा गांधी जैसे महिलाओं ने राजनीतिक प्रतिभा का प्रयोग राष्ट्र निर्माण और विकास में किया है जो अपने समय के महत्वपूर्ण सशक्त हस्ताक्षर थी। वर्तमान में भी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, ममता बनर्जी, मायावती, स्मृति ईरानी, सोनिया गांधी,प्रियंका गांधी, हरसिमरन, कौर वसुंधरा राजे सिंधिया, प्रतिभा पाटिल, मृदुला सिन्हा आदि ने राजनीति मैं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर अपने कार्यों से महिलाओं का सम्मान बढ़ाया एवं देश की अर्थव्यवस्था सुधारने में अपना योगदान दिया है। यह कहने में कतई गुरेज नहीं है कि महिलाएं राजनीति, सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक, चिकित्सकीय, और विज्ञान में देश के हित के लिए अग्रणी रही हैं। सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं की सशक्त भूमिका को नमन करते हुए कृतज्ञ राष्ट्र उन्हें साधुवाद प्रदान कर उनकी इस भूमिका को प्रणाम करता है।

प्रकाशक: घटती-घटना

हास्य व्यंग्य

आओ नव वर्ष संकल्प करें...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

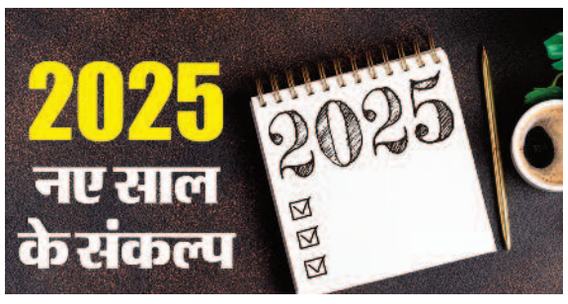

संसार के अनेक देशों की तरह भारत में भी हर बार नया साल बहुत उत्साह ,मस्ती तथा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है! नए वर्ष पर पहले तो ग्रीटिंग कार्ड का आदान-प्रदान होता था ,आजकल एसएमएस का आदान-प्रदान होने लगा है! नए साल के जशन मनाए जाते हैं! लोग परिवार के सदस्यों के साथ महंगे महंगे होटलों में नाच गाने के बाद डिनर करते हैं। कुछ लोग नए साल के शुभ आगमन पर संकल्प करते हैं। हमारे समाज में संकल्प करना हजारों सालों से एक परंपरा रही है। कुछ लोग नव वर्ष पर अपने बिजनेस में और ज्यादा तरक्की करने का संकल्प लेते हैं! योजनाएं बनाते हैं, साधनों को एकत्रित करने तथा निवेश करने के बारे में खाका तैयार करते हैं। कुछ अन्य लोग शराब छोड़ने के लिए संकल्प करते हैं। यूं तो शराबी लोग हर रात शराब पीने से पहले अपने आप को यह कहकर शराब छोड़ने का संकल्प करते हैं...बस! आज आज ही थोड़ी सी पी लेता हूं। कल से मेरी तथा मेरे बाप की भी शराब पीने से तौबा। लेकिन साहब वह वायदा ही क्या जो वफा हो गया। वायदे तो किये ही जाते हैं तो तोड़ने के लिए और शराबियों ने तो शराब छोड़ने के लिए कब-कब और कितने-कितने संकल्प बीवी, बहन ,भाई तथा दोस्तों से किए होंगे। मैं समझता हूं कि नव वर्ष पर पति-पत्नी को मिल बैठकर संकल्प करना चाहिए कि वे आपस में कभी झगड़ा नहीं करेंगे, एक दूसरे से कुछ भी नहीं छुपाएंगे, एक दूसरे की इज्जत करेंगे,किसी तीसरे में दिलचस्पी नहीं दिखाएंगे, घर के बुजुर्गों की इज्जत करेंगे तथा बच्चों के सामने कलह क्लेश करके उन्हें गलत शिक्षा नहीं देंगे। अगर ऐसा होता है तो घर खुशियों से भरपूर होगा और घर स्वर्ग बन जाएगा।

नव वर्ष पर हमारे राजनेताओं को भी संकल्प करना चाहिए कि वे मन, कर्म और वचन से जनप्रतिनिधि के तौर पर ही व्यवहार करेंगे, भ्रष्ट तरीकों से तौबा करेंगे, संसद की मर्यादा बनाए रखेंगे, एक दूसरे पर छींटाकशी नहीं करेंगे, सरकार की जनकल्याण संबंधी नीतियों का समर्थन करेंगे,विरोध के लिए विरोध नहीं करेंगे,देश में जातिवाद, सांप्रदा यिकता,आतंक वाद, क्षेत्रीय वाद तथा भाषावाद नहीं फैलने देंगे,सदन में नियमित तौर पर हाजिर होकर इसकी कार्रवाई में हिस्सा लेंगे। अगर ऐसा होता है तो हमारे देश का लोकतंत्र विश्व के लिए एक आदर्श बन जाएगा। क्या हमारे देश के राजनेता नव वर्ष पर सचमुच ही ऐसा संकल्प ले सकेंगे।

एक संकल्प हमारे देश के टीवी चैनलों को भी करना चाहिए। हमारे देश में इस समय लगभग 500 टीवी चैनल चल रहे हैं जिनका मुख्य उद्देश्य मनोरंजन, जानकारी तथा समाचारों के द्वारा बीच-बीच में विज्ञापनों द्वारा बहुत रुपए कमाना ही है। यह टीवी चैनल बेशक इस प्रकार धन कमाए, लेकिन आम दर्शकों को दिखाए जाने वाले समाचार निष्पक्ष हो, दिखाए जाने वाले सीरियल गरिमा,मर्यादा,भारतीय परंपरा तथा नैतिकता का इतना तो ध्यान रखें कि हम परिवार के सभी सदस्य, बड़े बूढ़े, स्त्री पुरुष तथा बच्चे मिल बैठकर इनका आनंद उठा सकें। टीवी सीरियल मनोरंजक, शिक्षाप्रद तथा जानकारी बढ़ाने वाले होने चाहिए। उन में हिंसा, हत्या, बलात्कार, चोरी डकैती, अपहरण आदि का महिमा मंडन नहीं करना चाहिए। बुजुर्गों, स्त्रियों तथा बच्चों की कोमल भावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। टीवी सीरियल लंबे तथा उबाऊ नहीं होने चाहिए। समाचार हमें डराने वाले, आपस में भेदभाव तथा नफरत फैलाने नहीं होने चाहिए बल्कि जानकारी निष्पक्षता के तौर पर देने वाले होने चाहिए। अगर कहीं ऐसा होता है तो टीवी देखना सचमुच ज्यादा उपयोगी हो जाएगा।

एक संकल्प,, प्रतिभा खोज,, करने वाले संगठनों को भी करना चाहिए। कृपया इससे संबंधित कार्यक्रमों का प्रदर्शन तथा संचालन इस तरह करें कि युवाओं में अनैतिकता, छिछोरापन, चरित्रहीनता तथा नंगापन ना आए। इस प्रकार के आयोजनों में अपनी बेटी के प्रतिभा प्रदर्शन पर अपने पिता को गर्व तो महसूस हो परंतु शर्म नहीं आनी चाहिए। नव वर्ष पर संकल्प तथा वायदे तो किए जाते हैं लेकिन निभा पाना सबके बस की बात नहीं होती तभी तो एक फिल्मी गाने में मन्ना डे ने कहा है,,, कसमे वादे, प्यार वफा। बातें हैं, बातों का क्या।

वैश्विक परिवार दिवस पर आज विशेष

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

महात्मा गांधी का एक प्रसिद्ध भजन है वैष्णव जन तो तेने कहिये जे पीड़ परायी जाणे रे। दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है। गांधी जी के इस भजन की पंक्तियों को भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से ही विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो हमेशा से ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है।

दुनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है तो वह भारत ही हैं। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता एक परिवार है। इस विचारधारा के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए।

दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो। ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें।

जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस जिसे विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है।यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। जिसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता हैं।

यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य बहुसंस्कृतिवाद,बहुलवाद को बढ़ावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक-दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पृथ्वी एक वैश्विक परिवार है। ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके।

वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। वहीं दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्री आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार पर ही 1997 में संयुक्त राष्ट्र हासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की।

बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया गया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरुआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है जहां सिर्फ शांति हो।

हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरुआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए 2001 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक परिवार दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है। नए साल के आगाज साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया के सभी देशों, धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए और एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है। क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है।

वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन बिताना है। इस दिन लोग एक साथ रात्रिभोज की योजना बनाते हैं और अन्य पारिवारिक गतिविधियों का आनंद लेते हैं जो उनके बंधन को मजबूत करते हैं और शांति को बढ़ावा देते हैं। परिवार के साथ मनोरंजक गतिविधियों में एक साथ शिविर लगाना या एक साथ खाना बनाना, पिकनिक पर जाना, ट्रेक और बहुत कुछ शामिल हो सकता है। इस दिन को समुदाय के हिस्से के रूप में मनाने के लिए आप उन संगठनों के लिए स्वयंसेवक बन सकते हैं जो समुदाय का निर्माण करते हैं, हिंसा को कम करते हैं और अपने परिवार के साथ सुरक्षा को बढ़ावा देते हैं। आप वैश्विक शांति की दिशा में प्रयासों के बारे में कोई भी फिल्म देख सकते हैं। आज पूरी दुनिया में युद्ध का वातावरण बना हुआ है। कई देशों में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कई देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हुए हैं। तीसरे विश्व युद्ध की आशंका व्यक्त की जा रही है। लोग एक दूसरे के दुश्मन बनते जा रहे हैं। जरा जरा सी बात पर लड़ाई झगड़ा होने लगता है। ऐसे में वैश्विक परिवार दिवस हमारे लिए आशा की एक नई किरण लेकर आता है। इस दिवस से हमें पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में बनाने की प्रेरणा मिलती है। यदि हम वैश्विक परिवार दिवस की अवधारणा के अनुरूप एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना अपना कर काम करे तो दुनिया शांति के पथ पर चलने लगेगी और सही मायने में इस दिवस की सार्थकता भी सिद्ध हो सकेगी।

कविता
नया साल

घटती-घटना
मोनिका डागा
चेन्नई तमिलनाडु

गुलाबी सर्द हवाओं का प्यारा आलिंगन,
बीते कल की सुनहरी यादों में ले जाता है
दूर तलक फैली थी मोहक महक जिसकी,
पुरानी वादियों का अक्स महसूस कराता है
प्रकृति की रमणीक सुंदरता मन को भांति,
बर्फ की चादर ओढ़े धरती मुस्कुराती हैं,
अंगीठी से रात दिन एक धार होती सिकाई,
सवेरे दूर दूर तक धवल धुंध छा जाती हैं
फिर मद्धिम धूप का गुपचुप यूं खिलना,
कंपकंपाती ठिठुरन से राहत दे जाता है,
वो पुरवाई का हौले-हौले से मधुरतम स्पर्श,
तन-मन में नयी आनंद उमंग बढ़ाता हैं।
सर्द पौष-माघ की ये लंबी-लंबी ठंडी रातें,
यादों की गठरी खुबसूरत बीती मुलाकातें हैं
कभी खत्म न होने वाली प्यारी अशेष बातें,
उम्र की दहलीज़ पर मिली बिछुड़ी सौगातें हैं
इसी बीच शुष्क दिसंबर को अलविदा कर,
नया साल नई योजनाओं के साथ आता हैं,
जीवन में कुछ पूरी और कुछ अधूरी रह गई,
चाहतों पर नव निर्माण नव प्रारूप सजाता हैं

कविता
नव वर्ष अभिनंदन

घटती-घटना
मदन मंडावी
ढारा डोंगरगढ़
छत्तीसगढ़

नई उमंगें नई सूर्य किरण से,
सजा रहे आपका घर आँगन।
ना कोई गम ना हो निराशा,
हंसता- खिलता रहे ये चमन ।
पुराने सुख - दुख भुलाकर,
कीजिए पुनः नव सृजन ।
इस नववर्ष को सब मिलकर,
करें सहर्ष पूर्वक अभिनंदन।।
जमी आसमा का हों मिलन,
दुवाओं का आँचल मंगलम ।
सारी झोलियाँ मेरी भर जाएं,
छोटा लगने लग जाए दामन।
चाँद सितारों से हो जगमग,
उज्जवल भविष्य सा जीवन ।
बागों के पंछी, पुष्पों सा सुगंध,
महकता रहे यह गुलशन।
झूम उठे डाली -डाली पत्तें,
विचारों का हो नव पल्लवन।
मिले सुख समृद्धि धन वैभव,
हो प्रेमाभावों का नंदन वंदन।
रीत,प्रीत, गीत, संगीत का,
बना रहे सच्चा स्नेह गठबंधन।
रिश्ते -नातों को बधाई देकर,
करें नव वर्ष का अभिनंदन।।

देखो 2024 बीत गया है...

सीमा लोहिया,
झुंझुनू (राजस्थान)

हर साल की तरह ये भी, 2024 कुछ रंग लेकर आया था,
कुछ हंसी, कुछ आँसू और जिंदगी की जंग लेकर आया था।
कुछ सपने पूरे हुए हैं, कुछ अधूरे ही रह गए हैं,
ऐसी कई यादों संग, देखो 2024 बीत गया है।
कभी सर्दी ने हमें छुआ, कभी गर्मी ने हमें जलाया है,
कभी धूप में मन भटकता, कभी चाँद ने दिल को बहलाया है।
कभी दुखों की रात थी, कभी खुशियों का दिन आया है,
ऐसी कई लहरों संग, देखो 2024 बीत गया है।
कुछ रिश्ते हमारे पास आए, कुछ दूर भी हो गए हैं,
कुछ दिलों ने राहें बदल दी, कुछ चाहते खो गई हैं।
कभी दूरियाँ बढ़ीं, कभी नज़दीकियों ने सुलझाई,
ऐसी कई तासीरें संग, देखो 2024 बीत गया है।
कुछ गिले शिकवे सुलझाए, कुछ जख्म भी सहे हैं,
कुछ बातें दिल में रखीं, कुछ हमने दिल से कही हैं।
कुछ ख्वाब अधूरे रह गए, कुछ पूरे हो गए हैं,
ऐसी कई उम्मीदों संग, देखो 2024 बीत गया है।
कभी नए फैसले, नए रास्ते, कभी नई सोच के साथ,
कुछ सवाल अनकहे रहे, कुछ मिले जवाब साथ।
कुछ उभरे दर्द पुराने, कुछ सुख भी गए हैं,
ऐसी कई यादों के साथ, देखो 2024 बीत गया है।
तो अब 2025 संग नए सपने, नए ख्वाबों का होगा आगाज,
जो बीत चुका उसे छोड़, अब करना होगा हमें नया काज।
ऐसी कई दुआओं के साथ, देखो 2024 बीत गया है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

रात 12 बजते ही जमकर हुई आतिशबाजी, लोगों ने किया नए साल का स्वागत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वर्ष 2024 को विदा कर वर्ष 2025 के स्वागत को लेकर शहर से लेकर गांव तक लोग अपने-अपने तरीके से जश्न में डूबे हुए हैं। साल के आखिरी दिन पिकनिक स्पॉट्स पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। वहीं शहर में भी युवाओं ने केक काटकर व अन्य कार्यक्रमों के जरिए नए साल का स्वागत पूरे उत्साह के साथ किया। साल के आखिरी दिन जैसे-जैसे शाम ढलती गई,लोगों का उत्साह बढ़ता ही गया। विशेषकर युवा नए साल के स्वागत में अपनी ही धुन में नजर आए। वहीं नए वर्ष पर सरगुजा पुलिस भी पूरी तरह से तैयार है। किसी प्रकार को कोई व्यावधान उत्पन्न न हो इसके लिए शहर के 17 स्थानों को चिन्हांकित किया गया है। जहां पुलिस बल तैनात रहेगी। बुधवार को नए साल के पहले दिन गार्डन्स के साथ ही मंदिरों में भीड़ रहेगी। लोग अपने दिन की शुरुआत देव दर्शन के साथ करेंगे। इससे शहर के महामाया मंदिर, समलाया मंदिर,दुर्गा मंदिर,साईं मंदिर सहित अन्य मंदिरों में लोग दर्शन करने पहुंचेंगे। वहीं मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद व ईसाई समाज के लोग गिरजाघरों में प्रार्थना कर नए साल की शुरूआत करेंगे। इसके बाद पार्टी और पिकनिक का दौर चलेगा। वहीं शहर के गार्डन,पार्क,पिकनिक स्थलों पर भीड़ रहेगी। लोग परिवार के साथ नए साल के पहले दिन को खास बनाने जश्न मनाएंगे। मैनपाट में नए साल के स्वागत का जश्न 25 दिसंबर से ही शुरू हो गया है। लोग यहां परिवार के साथ पिकनिक मनाने व घूमने आ रहे हैं। मैनपाट के टाइगर प्वाइंट,उल्टा पानी, जलजली,मेहता प्वाइंट,परपटिया सनसेट, बूढ़ानाग सहित अन्य स्थानों पर नए साल के पहले दिन भीड़ रहेगी। इसके अलावा सरगुजा संभाग के अमृतधारा, रकसगंडा, सारासोर, कुमेली घाट, घुनघुट्ठा, कुंवरपुर डेम, तातापानी, चेंद्रा जलप्रपात सहित अन्य पिकनिक स्पॉट्स पर लोग पहुंच रहे हैं। साल के अंति दिन 31 दिसंबर के देर शाम से ही बधाइयों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। लोग अपने दोस्तों, परिचितों और परिजन को बधाई देकर शुभकामनाएं देते रहे। इसके लिए मैसेज, व्हाट्सएप, फेसबुक के जरिए लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी। शुभचिंतक भी एक-दूसरे को बधाई देते रहे। रात 12 बजते ही लोगों ने जोरदार आतिशबाजी कर नए वर्ष 2025 का स्वागत किया।

पुलिस की रहेगी कड़ी नजर

नए वर्ष पर किसी तरह का कोई व्यवधान उत्पन्न न हो इसके लिए सरगुजा पुलिस सुरक्षा की तैयारी कर रखी है। शराब सेवन कर वाहन चालने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं शहर के विभिन्न चौक चौराहों सहित पार्कों,पिकनिक स्पॉट्स पर पुलिस बल तैनात रहेगा। तेज रफ्तार में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। तेज ध्वनि उत्पन्न करने वाले साइलेंसर अथवा ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न करने वाले संशोधित वाहनों को जब्त कर, चालानी कार्यवाई की जाएगी।उत्तरदायित्वपूर्ण एवं सभ्य तरीके से उत्सव मनाएं। सार्वजनिक स्थल पर अनुचित आचरण, अशिष्टता अथवा दुव्यवहार करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित समयावधि के उपरांत तेज आवाज में संगीत बजाना अथवा डीजे का उपयोग करना ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियमावली, 2000 के अंतर्गत दंडनीय है। उपकरण जब्त किए जाएंगे एवं उल्लंघनकर्ताओं पर जुर्माना लगाया जाएगा।

बादलों की सक्रियता हटते ही एक बार फिर शुरू हुई कड़ाके की ठंड

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बादलों की सक्रियता हटते ही एक बार फिर कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। उत्तर दिशा की ओर से आ रही शुष्क हवाओं के कारण पिछले 24 घंटे में 5 डिग्री तापमान नीचे गिर गया है। सोमवार की रात का न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री दर्ज किया गया है। जबकि रविवार की रात का न्यूनतम तापमान 12.9 डिग्री था। बर्फिली हवाओं के कारण मंगलवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा। जिसका असर सुबह 10 तक रहा।

पश्चिम विक्षोभ की सक्रियता के कारण पिछले कई दिनों से ठंड से राहत थी। बादलों की सक्रियता के कारण न्यूनतम तापमान 13 डिग्री से ऊपर पहुंच गया था। वहीं पश्चिमी विक्षोभी की सक्रियता हटते ही एक बार फिर कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। सोमवार की सुबह से ही उत्तर दिशा से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। बर्फिली हवाओं के कारण 24 घंटे के अंदर न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार की रात का तापमान 8.2 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल का कहना है कि उत्तरी छत्तीसगढ़ सहित सरगुजा संभाग में एक बार फिर कड़ाके की ठंड पडऩी शुरू हो गई है। तापमान में अभी और गिरावट आने की संभावना है। बर्फिली हवाओं के आने का क्रम जारी है। इस लिए मंगलवार की सुबह घना कोहरा छाया रहा। मौसम वैज्ञानिक के अनुसार विजिविलिटी 50 मीटर तक था। इस कारण पास की वस्तुएं भी नहीं दिखाई दे रही थी। घने कोहरे के कारण नेशनल हाइवे पर चलने वले वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कोहरे का असर लगभग 10 बजे तक रहा।

खिलाडियों ने विभिन्न राज्यों में दिखाया अपना टैलेंट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

खेलो भारत नेशनल प्रतियोगिता 2025 का आयोजन 29 से 31 जनवरी तक होना है। इसके लिए सलेक्शन फोर इंटरनेशनल चौंपियनशीप चलाया गया। जिसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल, एमपी, हरियाणा आए हुए सभी प्रतिभागी भाग लिए। यह आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक चला। जिसमें खिलाडियों ने विभिन्न राज्यों में अपना हुनर दिखाया। क्रिकेट में अंदर-14 विनर रही। अंडर-19 फुटबॉल छत्तीसगढ़ और सीनियर फर्स्ट विनर रहा। इसका प्रतिनिधित्व किशोर तिर्की जो हमेशा 5 साल से गांव के बच्चे टैलेंटेड को और जो खेलना और सीखना चाहते हैं उनको ढूंढ कर टूर्नामेंट में शामिल करते हैं और जो सीखना चाहते हैं उनको ट्रेनिंग भी देते हैं।

17.50 लाख रुपए लेकर महिला जमीन की नहीं कर रही थी रजिस्ट्री,न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

रुपए लेकर जमीन रजिस्ट्री नहीं करने पर पीड़ित युवक ने मामला न्यायालय में दायर किया था। मामले में न्यायालय ने आरोपी महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश मणिपुर थाना को दिए थे। न्यायालय के आदेश पर मणिपुर पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। महिला 17 लाख 50 हजार रुपए लेने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं कर रही थी। पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

पुलिस के अनुसार शहर के सत्तीपारा निवासी गायत्री पटेल के नाम से विशुनपुर में सवा 14 डिसमिल जमीन है। जिसे वह बेचना चाहती थी। वर्ष 2020 में शहर के दर्रीपारा निवासी संजय साहू उक्त जमीन को खरीदने के लिए राजी हुआ था। संजय ने गायत्री के बैंक खाते व नकद के माध्यम से कई बार में कुल 17 लाख 50 हजार रुपए दे दिया। इस बीच महिला गुजरात राजकोट में रहने लगी। संजय साहू द्वारा जमीन रजिस्ट्री करने के लिए कई बार बुलाया गया पर वह नहीं आ रही थी। पिछले कई वर्षों से टाल मटोल कर रही थी। परेशान होकर संजय साहू ने महिला के खिलाफ न्यायालय में परिवाद पेश किया था। मामले में न्यायालय ने मणिपुर थाने को महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए थे। न्यायालय के आदेश पर मणिपुर पुलिस ने गायत्री पटेल को धारा 14 का नोटस देकर विवेचना में सहयोग करने के निर्देश दिए थे। लेकिन महिला द्वारा विवेचना में कोई सहयोग नहीं किए जाने से पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला गायत्री पटेल उम्र 46 वर्ष निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर हाल मुकाम- आनन्द नगर रेलवे स्टेशन के पास ब्लाक नं. 45 ग्राम धोराजी राजकोट (गुजरात) के खिलाफ धारा 420 के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उप निरीक्षक अखिलेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक शौकीलाल, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, महिला आरक्षक सुमन कश्यप सुमन तिग्गा, नीलम यादव आरक्षक उमाशंकर साहू साइबर टीम से जितेश साहू सक्रिय रहे।

सेवानिवृति पर उप निरीक्षक को दी गई विदाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सेवानिवृति पर उप निरीक्षक लोहरा राम को सरगुजा पुलिस ने सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत उप निरीक्षक के परिवार सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान एसपी योगेश पटेल ने कहा कि सेवानिवृत उप निरीक्षक लोहरा राम ने ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन कर संवेदनशील पुलिसिंग में अपना सहयोग प्रदान किया है। अब हमें अपने सेवानिवृत हो रहे उप निरीक्षक एवं उनके परिवार के प्रति संवेदनशील होकर पुलिस परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी है। कार्यलयीन अधिकारी एवं सम्बंधित थाना प्रभारी सेवानिवृत हो चुके अधिकारी, कर्मचारियों की सुध लेते रहें, किसी भी प्रकार की तकलीफ में त्वरित सहायता हेतु उपलब्ध रहे साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत उप निरीक्षक एवं उनके परिवारजनों को किसी भी समस्या में कार्यालय आकर प्रत्यक्ष रूप से मिलकर समस्या का निदान करने की जानकारी दी गई। इस दौरान सेवानिवृत उप निरीक्षक लोहरा राम ने अपने कार्यकाल के अनुभव को साझा किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, स्टेनो फबियानुस तिर्की, निरीक्षक अंजू चेलक, मुख्य लिपिक निरीक्षक (एम) अजय गुहा, सहायक उप निरीक्षक संजय श्रीवास्तव शामिल रहे।अंबिकापुर. सेवानिवृति पर उप निरीक्षक लोहरा राम को सरगुजा पुलिस ने सम्मान समारोह आयोजित कर विदाई दी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत उप निरीक्षक के परिवार सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस दौरान एसपी योगेश पटेल ने कहा कि सेवानिवृत उप निरीक्षक लोहरा राम ने ईमानदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का पालन कर संवेदनशील पुलिसिंग में अपना सहयोग प्रदान किया है। अब हमें अपने सेवानिवृत हो रहे उप निरीक्षक एवं उनके परिवार के प्रति संवेदनशील होकर पुलिस परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभानी है। कार्यलयीन अधिकारी एवं सम्बंधित थाना प्रभारी सेवानिवृत हो चुके अधिकारी, कर्मचारियों की सुध लेते रहें, किसी भी प्रकार की तकलीफ में त्वरित सहायता हेतु उपलब्ध रहे साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत उप निरीक्षक एवं उनके परिवारजनों को किसी भी समस्या में कार्यालय आकर प्रत्यक्ष रूप से मिलकर समस्या का निदान करने की जानकारी दी गई। इस दौरान सेवानिवृत उप निरीक्षक लोहरा राम ने अपने कार्यकाल के अनुभव को साझा किया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, स्टेनो फबियानुस तिर्की, निरीक्षक अंजू चेलक, मुख्य लिपिक निरीक्षक (एम) अजय गुहा, सहायक उप निरीक्षक संजय श्रीवास्तव शामिल रहे।

13 दिनों से धरने पर बैठे हैं 60 परिवार, मांग रहे जमीन का पट्टा, बोले- तो राष्ट्रपति से मांगेंगे इच्छा मृत्यु

- संवाददाता -
अंबिकापुर,31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम डिगमा में पिछले 13 दिनों से 60 परिवार अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे है। जिस शासकीय भूमि पर ये परिवार काबिज हैं, वहां स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के गोदाम का निर्माण कराया जाना है। निर्माण के लिए उक्त भूमि का सीमांकन 15 दिन पूर्व जिला प्रशासन द्वारा कराया गया है। जमीन सीमांकन के बाद ग्रामीणों को डर है कि उक्त भूमि से उन्हें बेदखल कर दिया जाएगा। इस लिए 60 परिवार पिछले 13 दिनों से धरने पर बैठे है।

वहीं ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन में ज्ञापन सौंपकर उक्त भूमि से बेदखल न करने और स्थायी पट्टा दिलाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जिला प्रशासन हमारी मांग नहीं मानता है तो हम लोग राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नेहरूनगर, डिगमा में भारत सरकार पुनर्वास विभाग मद की भूमि की खसरा नं 309, 310 कुल प्लाट 2 रकबा 2 एकड़ भूमि पर 3-4 पीढ़ी से लोग घर बनाकर रह रहे हैं। उक्त भूमि पर शासन द्वारा छग स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के गोदाम का निर्माण किया जाना है।

इसके लिए 15 दिन पूर्व भूमि का सीमांकन भी कराया गया है। वहीं ग्रामीणों को भय है कि उक्त भूमि से उन्हें जिला प्रशासन द्वारा बेदखल कर दिया जाएगा। इससे लोग सडक़ पर आ जाएंगे, इसलिए ग्राम डिगमा के करीब 60 परिवार 18 दिसंबर से भूमि बचाव आंदोलन के रूप में अनिश्चितकालीन धरने पर हैं।

ग्रामीणों की मांग है कि ग्राम-नेहरूनगर डिगमा में काबिज भूमि के परिवारों की काबिज भूमि का कब्जा अनुसार स्थायी पट्टा दिया जाए, अन्यथा यह आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। यदि उनको काबिज भूमि से बल पूवर्क सरकार द्वारा हटाने का आदेश दिया जाता है तो समस्त ग्रामीण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत चुनाव का बहिष्कार करेगें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन की होगी।

ग्रामीणों ने इच्छा मृत्यु मांगने की कही बात...

पीड़ित ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन जब तब हमारी बातें नहीं मानता तब तक हम लोग आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगे नहीं पूरी नहीं होती है तो हम राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे।

» स्टेट वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के गोदाम निर्माण के लिए जमीन का किया गया है सीमांकन, परिवार वालों को बेदखली का सता रहा है डर, कलेक्टर के जनदर्शन में दि

अन्य शासकीय भूमि पर गोदाम का कराया जाए निर्माण

ज्ञापन सौंपने आए ग्रामीणों का कहना है कि स्टेट वेयर हाउसिंग कॉर्पोरेशन के गोदाम का निर्माण रिहायशी इलाके में न कराकर शहर से 10-15 किमी दूर शासकीय भूमि में कराया जाए, जहां पर भवन निर्माण की कार्रवाई में किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी। साथ ही किसी गरीब के मकान, घर, बाड़ी खाली कराने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

हमें क्यों उजाडऩे पर तुली है सरकार

ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा सरगुजा में ईरानी, बांग्लादेश से आए बंगाली व तिब्बती लोगों को बसाने का काम किया है तो हम लोगों को सरकार क्यों उजाड़ रही है। हमे भी सरकार जीवन यापन के लिए स्थायी पट्टा दे।

पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता लहपटरा की टीम बनी विजेता

- संवाददाता -
लखनपुर,31 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के ग्राम लहपटरा में स्टार बॉयज क्लब के द्वारा पंचायत स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। जिसका फाइनल मुकाबला मंगलवार को स्कूल ग्राउंड में लहपटरा और आमगांव के मध्य के बीच खेला गया। इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में अतिथि के रूप में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश साहू, बृज किशोर पांडे, सुरेश साहू,भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी सचिन अग्रवाल तबरेज खान सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। जहां पुष्प कुछ देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। वहीं विधायक राजेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लहपटरा की टीम ने 12 ओवर में 189 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आमगांव की टीम 12 ओवरों में 144 रन ही बना पाए इस तरह से ग्राम लहपटरा की टीम में फाइनल मैच 50 रनों से जीतकर खिताब अपने नाम किया। अतिथियों के हाथ हो विजेता टीम को 21000 नगद शील्ड उपविजेता टीम को 11000 रुपए नगद शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया।

नए साल से पहले पाकिस्तान में घरेलू गैस की कमी से मचा हाहाकार

अन्य ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी

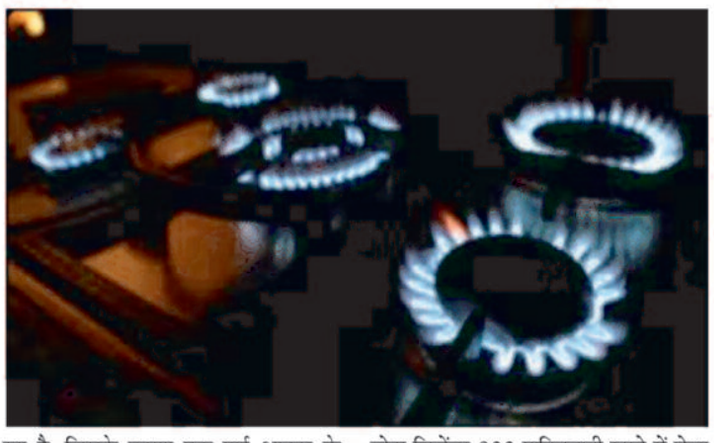

इस्लामाबाद,31 दिसम्बर 2024। पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, अत्यधिक ठंड और सुई गैस आपूर्ति में लगातार रुकावटों के कारण खुले बाजार में कोयला, सूखी लकड़ी, सिलेंडर गैस और केरोसिन समेत वैकल्पिक ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्यम वर्ग को इन बढ़ती लागतों का सबसे अधिक खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

गैस की कीमतें 14 हजार पाकिस्तानी रुपये...सुई गैस की अनियमित आपूर्ति और कम दबाव के कारण तंदूर और होटलों को वाणिज्यिक गैस सिलेंडर पर निर्भर होना पड़ रहा है, जिसके कारण एक पूर्ण आकार के सिलेंडर की कीमत बढ़कर 14,000 पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) हो गई है। एक छोटा सिलेंडर 800 पाकिस्तानी रुपये में बेचा जाता है, एक मध्यम सिलेंडर की कीमत 1,500 पाकिस्तानी रुपये है, और केरोसिन तेल की एक बोतल 180 पाकिस्तानी रुपये में बेची जा रही है, जिसे अक्सर बढ़ी हुई कीमतों पर खाली पेय बोतलों में दिया जाता है।

अन्य ईंधनों के दाम भी छू रहे आसमान

सूखी लकड़ी 2,000 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेची जा रही है, जबकि थोड़ी गीली लकड़ी 1,700 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बिक रही है, उच्च गुणवत्ता वाले कोयले की कीमत 150 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम है, और मध्यम धुएं वाले कोयले की कीमत 130 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलोग्राम है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, कोयले की बढ़ती कीमतों ने स्ट्रीट फूड उद्योग को प्रभावित किया है, जिससे बारबेक्यू विक्रेताओं और ठेले वालों के बीच कीमतें बढ़ गई हैं।

पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों के अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत,सुरक्षाबलों ने इलाके को घेरा

- खैबर पख्तूनख्वा में संघर्ष जारी
- हमले में दो पुलिस कर्मियों की मौत
- हमले के बाद फरार हुए हमलावर

पेशावर,31 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। वहीं एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह हमला दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से सटे दरबान कलां में हुआ।

घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात हमलावर भागले में कामयाब हो गए। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान से अलग हुए समूह दरबान इलाके में काफी सक्रिय हैं और अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया है।

270 आंतकियों को मार गिराया

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शाम के समय अक्सर तालिबान जिले की सड़कों पर कब्जा कर लेता है और वाहनों की चेकिंग शुरू कर देता है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने 2024 में खैबर पख्तूनख्वा में 270 आतंकियों को मार गिराया।

इसमें कई बड़े उग्रवादी भी थे, जिन पर इनाम घोषित था। प्रांतीय पुलिस विभाग द्वारा जारी आकंड़ों के मुताबिक, आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान 802 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

साथ ही कविक्शन रेट भी 13 फीसदी से बढ़कर 38 हो गया है। वहीं सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले भी बढ़े हैं। इस साल 149 पुलिसकर्मियों को मार डाला गया, जबकि 232 घायल हो गए।

सीमा पर बढ़ रहा संघर्ष

अफगानिस्तान से सटे इलाकों में पाकिस्तानी सेना और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ता जा रहा है। अफगानिस्तानी मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले पर टीटीपी ने कब्जा कर लिया है।

क्या पाकिस्तान में सरकार-विपक्ष के बीच सब ठीक हो जाएगा?

- दो जनवरी को होगी इमरान की पार्टी से बातचीत

इस्लामाबाद,31 दिसम्बर 2024। पाकिस्तान सरकार और इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के बीच महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इसका उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को सुलझाना है। यह बैठक गुरुवार को संसद भवन में सुबह 11 बजे होने वाली है, जिसे नेशनल असेंबली स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुलाया है। वह दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाना चाह रहे हैं, जिससे मतभेद सुलझाए जा सकें।

इससे पहले हो चुकी है बैठक

यह बैठक 23 दिसंबर को शुरू हुई बातचीत पर आधारित होगी और इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम बढ़ाना है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई पार्टी दो प्रमुख मांगें प्रस्तुत करने की योजना बना रही है, जो आगामी सत्र के दौरान लिखित रूप सरकार के सामने रखेगी।

इन दो मांगों पर अड़ी पीटीआई

इन मांगों में पिछले साल की नौ मई को हुई हिंसक घटनाओं और 26 नवंबर को इस्लामाबाद में पीटीआई कार्यकर्ताओं पर की गई कार्रवाई की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन करना तथा 72 वर्षीय इमरान खान समेत सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई करना शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रीय असेंबली स्पीकर और पीटीआई नेता असद कैसर ने इन मांगों को दोहराते हुए कहा कि पार्टी आयोग के गठन और खान की रिहाई की अपनी मांगों पर अडिग है।

कौन-कौन नेता हुए शामिल?

23 दिसंबर को हुई पहली बैठक को सकारात्मक देखा गया, जिसमें दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी। इस बैठक में पीटीआई का प्रतिनिधित्व कैसर, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के अध्यक्ष साहिबजादा हामिद रजा और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के नेता अल्लामा राजा नसर अब्बास ने किया था। एसआईसी और एमडब्ल्यूएम दोनों ही खान के प्रमुख सहयोगी हैं।

सरकार की तरफ से ये लोग कर रहे नेतृत्व

सरकारी पक्ष का नेतृत्व करने वाली नौ सदस्यीय समिति में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह, सेनटर इरफान सिद्दीकी, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राजा परवेज अशरफ और नवीद कमर, इत्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के नेता अलीम खान, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्रैद (पीएमएल-क्यू) के नेता चौधरी सलीक हुसैन, बलूचिस्तान अवामी पार्टी के सरदार खालिद माग्सी और मुताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान के नेता डॉ. खालिद मकबूल सिद्धिकी शामिल हैं।

अगर बिना अनुमति सैटेलाइट फोन लेकर भारत गए तो...

ब्रिटिश सरकार ने अपने नागरिकों के लिए जारी की एडवाइजरी

लंदन,31 दिसम्बर 2024। ब्रिटेन की सरकार ने मंगलवार को भारत के लिए अपनी यात्रा परामर्श में बदलाव किया। उसने अपने नागरिकों को बिना लाइसेंस के भारत में सैटेलाइट फोन ले जाने या चलाने के खिलाफ चेतावनी दी है।

भारत में गिरफ्तार हुए ब्रिटिश नागरिक

विदेशी, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने अपनी सुरक्षा की समीक्षा करते हुए यह साफ किया कि जो ब्रिटिश नागरिक बिना किसी अनुमति के सैटेलाइट फोन भारत में ले गए, उन्हें वहां गिरफ्तार किया गया। इसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि श्रवण उपकरणों और शक्तिशाली कैमरों या दूरबीनों के लिए भी दूरसंचार विभाग से पूर्व अनुमति लेना आवश्यक है। साथ ही ऐसे उपकरणों के बारे में लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग से सलाह ली जा सकती है।

यह सावधानी जरूरी

एफसीडीओ ने आगे कहा,भारत में बिना लाइसेंस के सैटेलाइट फोन रखना या उनका उपयोग करना अवैध है। ब्रिटिश नागरिकों को सैटेलाइट फोन और अन्य सैटेलाइट सक्षम नेविगेशन उपकरणों को बिना पूर्व अनुमति के भारत में ले जाने के लिए गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है। सैटेलाइट फोन के लाइसेंस के लिए भारतीय दूरसंचार विभाग से संपर्क कर सकते हैं। आपको भारत में श्रवण या रिकॉर्डिंग उपकरण, रेडियो ट्रांसमीटर, शक्तिशाली कैमरे या दूरबीन जैसे उपकरण लाने के लिए भारतीय अधिकारियों से पूर्व अनुमति की आवश्यकता हो सकती है। सलाह के लिए भारतीय उच्चायोग से संपर्क करें।

यह कोई कानून नहीं

बता दें, सरकार की यह सलाह एक मार्गदर्शन है, न कि सरकार द्वारा लागू किया गया कोई कानून। इसका उद्देश्य यात्रियों को जोखिमों के बारे में सूचित निर्णय लेने में मदद करना है और यदि यह सलाह अनदेखी की जाती है, तो इससे यात्रा बीमा भी अमान्य हो सकता है।

भारत के लिए बाकी यात्रा सलाह में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें भारत-पाकिस्तान सीमा के 10 किलोमीटर के दायरे में यात्रा करने से बचने की चेतावनी शामिल है, सिवाय वाघा के जहां यात्री सीमा पार कर सकते हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर और मणिपुर क्षेत्रों के लिए भी यात्रा चेतावनियां जारी रखी गई हैं।

क्या बदल जाएगा बांग्लादेश का नाम? शरीया कानून लागू करने की तैयारी

- बांग्लादेश में फिर होगी बड़ी रैली
- 30 लाख लोगों के जुटने की उम्मीद
- शहीद मीनार पर होगा कार्यक्रम

शहीद मीनार पर जुटेंगे 30 लाख लोग

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश में जिस छात्र आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता से उखाड़ फेंका था, वह एक बार फिर सक्रिय हो रहा है। आज राजधानी ढाका के शहीद मीनार पर छात्र नेता इकट्ठा होने जा रहे हैं।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठन जमात-ए-इस्लामी ने इस कार्यक्रम का जमकर प्रचार किया है। कहा जा रहा है कि शहीद मीनार पर करीब 30 लाख लोग जुटेंगे। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भी छात्र नेताओं के आगे नतमस्तक हो गई है।

छात्र नेता करेंगे रैली

दरअसल बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की तरफ से यह कहा गया कि सरकार जुलाई क्रांति का एलान करने का जा रही है। जिसे राजनीतिक दलों और छात्रों की मदद से तैयार किया जाएगा। लेकिन यह खबर आते ही छात्र नेता एक्टिव हो गए।

उन्होंने कहा कि जुलाई क्रांति का एलान उनकी तरफ से किया जाएगा। शहीद मीनार पर होने वाली रैली में इसकी घोषणा की बात कही गई। छात्र नेताओं के एलान के बाद ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हाथ खड़े कर दिए और कहा कि सरकार की तरफ से ऐसी कोई तैयारी नहीं है।

जुलाई-अगस्त के विद्रोह में छात्रों और जनता की भागीदारी के माध्यम से, फासीवादी व्यवस्था को खत्म करने और एक नई राजनीतिक व्यवस्था स्थापित करने की प्रेरणा जगी, जिससे ऐतिहासिक संदर्भ में एक नए बांग्लादेश का जन्म हुआ।

- छात्र संगठन

क्या बदलने का है प्लान?

दरअसल छात्र नेता बांग्लादेश के संविधान में बदलाव करना चाहते हैं। छात्रों का कहना है कि वह दावा है कि उनकी पहली कोशिश बांग्लादेश का नाम बदलने की है। कहा जा रहा है कि बांग्लादेश का नाम इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश या इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईस्ट पाकिस्तान किया जा सकता है।

इसके अलावा बांग्लादेश में सुन्नत और शरीया को भी लागू किया जा सकता है। वहीं बांग्लादेश की सत्ता पर पूरी तरह से काबिज होने के लिए राष्ट्रपति और आर्मी चीफ से जबरन इस्तीफा लिया जा सकता है। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश का राष्ट्रपति बनाए जाने की भी चर्चा है।

नया संविधान बनाने की कोशिश

छात्रों का कहना है कि वह बांग्लादेश में नया संविधान लाना चाहते हैं। उन्होंने 1972 में तैयार किए गए बांग्लादेश के संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर' बताते हुए कहा कि वह इसे पूरी तरह दफ्न कर देंगे, क्योंकि इसने भारत को बांग्लादेश पर राज करने का मौका दिया है।

हालांकि बांग्लादेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी इसके समर्थन में नहीं है। खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी ने कहा कि अगर संविधान में कुछ गलत है, तो उसे बदला जा सकता है। लेकिन पूरी तरह संविधान को नष्ट कर देना सही नहीं है।

वहीं आपको बता दें कि छात्र नेताओं की तरफ से अब जुलाई क्रांति को मार्च फॉर यूनिटी का टाइटल दिया गया है।

23 वर्षीय युवती ने एक दिन में 101 पुरुषों के साथ बनाए संबंध, फिर वीडियो जारी कर अनुभव किया सांझा...मचा बवाल

नॉटिंग हिल,31 दिसम्बर 2024। ब्रिटेश के पॉश इलाके नॉटिंग हिल में स्थित 16 करोड़ रुपए के लग्जरी फ्लैट में 23 वर्षीय एडल्ट स्टार लिली के विवादास्पद स्टंट ने सनसनी फैला दी है। उन्होंने एक दिन में 101 पुरुषों के साथ संबंध बनाकर न केवल रिकॉर्ड बनाने का दावा किया, बल्कि इसका 50 मिनट का वीडियो बनाकर यूट्यूब पर पोस्ट किया, जिसे 2.7 मिलियन से अधिक बार देखा गया। लिली, जो कि OnlyFans पर अपनी बोल्ड सामग्री के लिए जानी जाती हैं, ने इस फ्लैट को Airbnb से किराए पर लिया। उन्होंने प्रॉपर्टी मालिक को असली उद्देश्य बताए बिना फ्लैट का इस्तेमाल ÷सेक्स मैराथन÷ और लाइव स्ट्रीमिंग के लिए किया। इस घटना ने न केवल आसपास के निवासियों को चौंकाया, बल्कि सोशल मीडिया और स्थानीय समुदाय में विवाद खड़ा कर दिया।

फ्लैट के आस-पास रहने वाले परिवारों को शुरू में इस बात की कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने आने-जाने वाले लोगों को डिलीवरी स्टाफ या मजदूर समझा। लेकिन जैसे ही फ्लैट से लाइव स्ट्रीमिंग शुरू हुई, वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। पड़ोसियों का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां इलाके की शांति भंग करती हैं और नियमों का उल्लंघन हैं। लिली ने इस फ्लैट में एक रात के लिए लगभग 61,000 रुपए किराए का भुगतान किया था। यह फ्लैट गार्डन के साथ पूरी तरह से सुसज्जित था और Airbnb की सबसे पसंदीदा प्रॉपर्टी में से एक था। इस फ्लैट में उन्होंने 101 पुरुषों के साथ संबंध बनाए और इसका वीडियो बनाया।

एयर बीएनबी ने लिली के इस कदम की निंदा की है। कंपनी के नियमों के अनुसार, किसी प्रॉपर्टी का उपयोग व्यावसायिक पोर्नोग्राफी या अनुचित उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। यह घटना स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है।

अमेरिका पर साइबर हमले कर रहा चीन...अब ट्रेजरी डिपार्टमेंट को हैकरों ने बनाया निशाना, गोपनीय दस्तावेज चोरी

- ट्रेजरी डिपार्टमेंट पर हैकरों का अटैक
- चीन प्रायोजित हैकरों पर लगा आरोप
- डिपार्टमेंट ने कांग्रेस को दी जानकारी

वॉशिंगटन,31 दिसम्बर 2024। चीनी साइबर हैकरों ने यूएस के ट्रेजरी डिपार्टमेंट को निशाना बनाया है। इस साइबर अटैक में हैकरों को ट्रेजरी के कुछ वर्कस्टेशनों का एक्सेस मिल गया था। डिपार्टमेंट ने इस संबंध में अमेरिकी संसद को जानकारी दी है।

ट्रेजरी के प्रवक्ता ने कहा कि यह घटना इसी महीने की शुरुआत में हुई। चीनी सरकार द्वारा प्रायोजित साइबर हैकरों ने थर्ड पार्टी साइबर सिक्योरिटी प्रोवाइडर की सुरक्षा को भेद दिया और ट्रेजरी वर्कस्टेशन व कुछ अनक्लासिफाइड डाक्यूमेंट्स का रिमोट एक्सेस हासिल कर लिया।

एजेंसी कर रही जांच

थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर बेयॉन्ड ट्रस्ट ने जब इस संबंध में जानकारी दी, तब ट्रेजरी ने यूएस साइबर सिक्योरिटी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सिक्योरिटी एजेंसी से संपर्क किया। फिलहाल डिपार्टमेंट,लॉ इंफोर्समेंट एजेंसियों के साथ मिलकर नुकसान का अध्ययन कर रहा है और मामले की जांच की रही है।

थर्ड पार्टी सर्विस प्रोवाइडर की सेवाएं ऑफलाइन कर दी गई हैं और इस बात के कोई सबूत नहीं है कि हैकरों के पास ट्रेजरी के सिस्टम या इंफॉर्मेशन का एक्सेस हो।

- ट्रेजपी डिपार्टमेंट प्रवक्ता

चीन प्रायोजित था अटैक

सीनेट बैंकिग कमेटी को लिखे पत्र में ट्रेजरी ने कहा, उपलब्ध संकेतों

के आधार पर यह पता चलता है कि इस साइबर हमले के तार चीनी सरकार द्वारा प्रायोजित एडवांस पर्सिस्टेंट थ्रेट से जुड़े हैं।

चीन पर लगे हैं कई आरोप

एडवांस पर्सिस्टेंट थ्रेट उन साइबर हमलों को कहा जाता है, जिसमें कोई हैकर किसी सिस्टम का अनधिकृत रूप से प्रवेश पा जाता है, लेकिन लंबे वक्त तक इसकी भनक नहीं लग पाती।

जारी होगी सप्लीमेंट्री रिपोर्ट

हालांकि डिपार्टमेंट ने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी कि सुरक्षा में सेंध के क्या प्रभाव पड़ा है। उनकी तरफ से कहा गया है कि इस संबंध में अधिक जानकारी के साथ एक सप्लीमेंट्री रिपोर्ट जारी की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि डिपार्टमेंट यूएस के फाइनेंशियल सिस्टम को खतरों से बचाने के लिए काम करता रहेगा। ट्रेजरी ने प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि डिपार्टमेंट अपने डाटा और सिस्टम के खिलाफ पैदा हुए किसी भी खतरे को काफी गंभीरता से लेता है।

चीन पर लगातार लग रहे आरोप

अमेरिका समेत दूसरे कई देशों ने बीते कुछ समय में कई बार चीन की सरकार पर हैकरों की मदद से उनके सरकारी, सैन्य और व्यवसायिक विभागों पर साइबर टारगेट करने का आरोप लगाया है।

हालांकि चीन ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वह किसी भी तरह के साइबर हमले के खिलाफ है। सितंबर में यूएस जस्टिस डिपार्टमेंट ने 2 लाख डिवाइस को निशाना बनाने वाले साइबर अटैक नेटवर्क को खत्म करने का दावा किया था। इसके भी तार चीन से जुड़े थे।

इसके पहले टी-मोबाइल सहित कई अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों को भी चीनी हैकरों ने निशाना बनाया था।

शराब दुकान के प्लेसमेंट कर्मचारियों के कोऑर्डिनेटर की मनमानी...

पैसे से लगाओ नौकरी और मनमानी से निकालो कर्मचारियों को ?

कोरिया जिले के प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ता ने लगाया फोन, कहा नहीं होती शराब में कोई मिलावट, शराब लेने वाले काउंटर छोड़ने से पहले शराब की कराएं जांच,काउंटर छोड़ने के बाद मिलावट की नहीं है हमारी जिम्मेदारी

क्या अब शराब दुकान के सामने ही शराब पीना होगा तभी सही की मिलेगी गारंटी,शराब प्रेमियों को उसके बाद मिलावट मिलने पर करनी होगी जांच ?

क्या हेक्शामीटर से दुकान से सामने शराब की जांच के लिए तैयार हैं कोऑर्डिनेटर ?

इस समय प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ता बने हुए हैं भाजपा नेताओं के रिश्तेदार व खुद भाजपा समर्थित लोग

मिलावट की खबर प्रकाशन होने पर प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ता का आया फोन...बताया हम है कर्ताधर्ता नहीं होती है मिलावट

शराब में मिलावट के लिए मजबूर करते है?

शराब में मिलावट को लेकर शराब दुकान के कर्मचारियों की यह बात नाम ना बताने की शर्त पर बताया की उन्हें अब स्थानीय स्तर के वह लोग शराब में मिलावट के लिए मजबूर करते हैं जो प्लेसमेंट कंपनी के ही तरफ से उनकी निगरानी के लिए नियुक्त हैं वरना वह शराब में मिलावट नहीं करते यह मानना बिल्कुल सही नहीं है और इसे इस तरह समझना होगा कि शराब में अब पहले से अधिक मिलावट करना पड़ रहा है और जिससे शराब प्रेमियों की सेहत पर खतरा मंडरा सकता है इसलिए कर्मचारी अब डरे हुए हैं और वह प्लेसमेंट कंपनी के उन निगरानी कर्ताओं के विरुद्ध दबी जुबान से शिकायत कर रहे हैं जिन्हें प्लेसमेंट कंपनी ने निगरानी के लिए रखा है वहीं पूरा मामला मिलावट की आय में हिस्सेदारी बढ़ने की भी है। जबसे स्थानीय स्तर के लोगों को निगरानी के लिए प्लेसमेंट कंपनी के द्वारा रखा गया है तबसे दुकान के कर्मचारियों को मिलावट में से हिस्सा देना पड़ रहा है यह बड़ी वजह है इन विवादों की।

क्या कर्मचारियों को निकालने व रखने में भी वसूला जाता है पैसा ?

सूत्रों की माने तो प्लेसमेंट के निरीक्षणकर्ता अब कर्मचारियों को बाहर निकालने की धमकी देते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं। बताया यह भी जाता है या तो उनके कहने पर कर्मचारी शराब में पानी मिलाएं यदि वह ऐसा नहीं करते तो उन्हें निकालने की धमकी दी जाती है या पैसा मांगा जाता है। कर्मचारी काफी परेशान हैं और वह अपना दुखड़ा कहां कहें इस बात से वह चिंतित हैं।

क्या आबकारी विभाग व प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ताओं के बीच है साठगांठ?

वैसे सवाल यह भी उठता है कि क्या आबकारी विभाग और प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ताओं के बीच सांठगांठ है। जो काम आबकारी विभाग का है उसे अब प्लेसमेंट कर्मचारियों के कर्ताधर्ता कर रहे हैं और निरीक्षण से लेकर शराब की गुणवत्ता की वह खुद गारंटी दे रहे हैं। वैसे यदि ऐसा है तो फिर आबकारी विभाग का होना नहीं होना ही सवालों के घेरे में है क्योंकि जो काम उसे करना है जिस शराब की शुद्धता और उसकी गुणवत्ता का उसे ख्याल रखना है उसकी सभी जिम्मेदारी कोई और उठा रहा है।

-जिला प्रतिनिधि-
बैकुंठपुर,31 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

प्रदेश में वहीं जिले में जबसे शराब दुकानों का संचालन शासकीय स्वरूप में हो रहा है तभी से शराब में मिलावट की बात भी लगातार सामने आती रहती है और मदिरा प्रेमी शराब में मिलावट को लेकर हमेशा आरोप लगाते रहते हैं। वैसे तो शराब में मिलावट की बात शासकीयकरण के बाद ज्यादा सुनाई देने लगी थी, लेकिन विगत कुछ दिनों कुछ माह से इस मिलावट की बात का और हो हल्ला शुरू हुआ है और वह भी तबसे जबसे प्लेसमेंट कंपनी ने निगरानी के लिए स्थानीय युवकों को जिम्मेदारी प्रदान कर दी और उन्हें अधिकार दे दिया कि वह निरीक्षण करें साथ ही कर्मचारियों की निगरानी कर उनकी गलतियां पकड़े और उन्हें चेतावनी दें या कार्य से पृथक करें वहीं जिन्हे प्लेसमेंट कंपनी ने निगरानी निरीक्षण और अन्य सभी जिम्मेदारिया सौंपी वह लोग अब निरीक्षण निगरानी कर तो रहे हैं लेकिन अब उसकी आड़ में वह कर्मचारियों पर नकेल डालकर शराब की शुद्धता के लिए प्रयास नहीं कर रहे हैं वह लोग अब कर्मचारियों से ही शराब में मिलावट की जिद कर रहे हैं और उसके एवज में वह उन्हें काम पर बने रहने की गारंटी दे रहे हैं। कुछ शराब दुकान के ही प्लेसमेंट कर्मचारियों की माने तो अब उनका दुकान में काम करना स्थाई जैसा ही बना रहेगा ऐसा नहीं लगता,कर्मचारियों के अनुसार उन्हें शराब में मिलावट के लिए मजबूर किया जाता है और ऐसा न करने पर उन्हें काम से पृथक करने की धमकी दी जाती है।

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 30 दिसम्बर 2024 | 5

भाजपा जिलाध्यक्ष के कार्यकाल का अंतिम समय को लेकर उत्साहित हैं भाजपाई ?

क्या शराब दुकान के अंदर भी रहेगा सीसीटीवी कैमरा ताकि उपभोक्ताओं को मिलावट की ना रहे फिक्र?-

अब खबर के माध्यम से यह मांग पुनः की जा रही है कि सभी शराब दुकानों के सभी कमरों में सीसीटीवी कैमरा लगाया जाए और उसका डिस्प्ले बाहर दिखाया जाए जिससे अंदर की सभी तस्वीर लोग देख सकें और उन्हें शुद्धता की फ़िक्र न करनी पड़े। वैसे यह मांग शराब प्रेमियों की भी है और वह मानते हैं कि यदि सीसीटीवी कैमरा हर कमरे में लग जाए और उसका डिस्प्ले कार्यविधि में बाहर दिखाया जाए शराब की शुद्धता से कोई खिलवाड़ नहीं कर सकेगा।

निगरानी कर्ताओं की तरफ से पत्रकार को आया फोन

वैसे पूरे मामले में हाल ही में एक खबर दैनिक घटती-घटना ने प्रकाशित की थी और उसके बाद ही प्लेसमेंट कंपनी के उन निगरानी कर्ताओं की तरफ से पत्रकार को फोन आया था और उनकी तरफ से दावा किया गया था कि शराब में मिलावट की बात कोरी अफवाह है और वह सभी मदिरा प्रेमियों को छूट देते हैं कि यदि वह शराब लेकर तुरंत यह साबित कर दें कि दुकान के सामने ही की मिलावट हुई है वह कार्यवाही करेंगे वहीं दुकान से आगे की जिम्मेदारी उनकी नही। वैसे दैनिक घटती - घटना ने शराब दुकानों की अव्यवस्था और मिलावट की शिकायत के लिए कई बार यह मांग शासन प्रशासन से पहले भी की है कि सभी शराब दुकानों के अंदर के प्रत्येक कमरे में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और उनका डिस्प्ले बाहर दिखाया जाए जिससे सभी यह देख सके कि अंदर क्या हो रहा है। बताया जाता है कि अंदर में सीसीटीवी कैमरा न होना ही मिलावट के लिए जिम्मेदार है और यदि अंदर भी सीसीटीवी कैमरा लग जाए मिलावट बंद हो जाए। बातें कोई कुछ भी कहे और कितने भी दावे करे लेकिन यह भी सत्य है कि हेक्शामीटर का प्रयोग यदि लोग करने लगें दूध का दूध पानी का पानी रोज होने लगे और प्रतिदिन का विवाद सामने आता रहे। वैसे सरगुजा में कुछ लोगों ने हेक्शामीटर का उपयोग कर साबित किया भी था कि मिलावट हुई है लेकिन उसमें कुछ हुआ नहीं था। अब देखना है कि क्या शासन प्रशासन मिलावट के मामले में ध्यान देगा और क्या वह सीसीटीवी कैमरा लगाकर अंदर की सभी तस्वीर बाहर डिस्प्ले होने देगे या नहीं?

एसएसपी सूरजपुर ने पुराने वर्ष की विदाई व नववर्ष के आगमन पर लगाया पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

नए साल के जश्न पर पुलिस की रहेगी कड़ी नजर, नशे में या रैश ड्राइविंग पर होगी सख्त कार्रवाई

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

अगर आप नए साल का जश्न मनाने जा रहे हैं और नशे में हैं या फिर रैश ड्राइविंग कर रहे हैं, तो सावधान हो जाएं,क्योंकि नए वर्ष में हुड़दंगियों को रोकने के लिए सूरजपुर पुलिस ने विशेष तैयारी की है। किसी परेशानी अथवा कार्यवाही से बचने के लिए संयमित रहकर नए वर्ष का जश्न मनाए अन्यथा पकड़े जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने वर्ष की विदाई व नववर्ष 2025 के आगमन पर जिले के सभी प्रमुख स्थानों, चौक-चौराहों, पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए है। एसएसपी ने पुलिस अधिकारियों की बैठक ली और पूरे जिले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सीएसपी/एसडीओपी सहित थाना-चौकी प्रभारियों को 31 दिसम्बर के रात्रि 7 बजे से रात्रि 1 बजे तक प्रभावी रूप से पैदल गश्त व पेट्रोलिंग करने, फिक्स प्वाईंट पर सजगता से चेकिंग करने, ड्रंक एंड ड्राईव और यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्यवाही तथा नए वर्ष में जिले के सभी पिकनिक स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस के अधिकारी व जवानों की ड्यूटी लगाई है। असामाजिक तत्वों की प्रत्येक गतिविधियों पर सूरजपुर पुलिस की विशेष पैनी नजर रहेगी। बैठक में एएसपी संतोष महतो व थाना प्रभारीगण सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

नववर्ष के स्वागत के लिए पुलिस की विशेष तैयारी। 31 दिसंबर की रात से ही नए वर्ष का जश्न शुरू हो जाता है. इस दौरान पुलिस सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम कर रही है। एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने बताया कि इस दौरान ड्रंक एंड ड्राइव, रैश ड्राइविंग, दो पहिया वाहन में तीन सवारों की चेकिंग की जाएगी। इसके लिए जिले के थाना क्षेत्र में 22 चेकिंग प्वाइंट बनाए गए हैं। 31 दिसंबर को रात 7 बजे से 1 बजे तक और 1 जनवरी को दोपहर 12 बजे से रात्रि 9 बजे तक चेकिंग की जाएगी। ऐसे में नशे में या नियमों का उल्लंघन करते पकड़े जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सड़क पर हुड़दंग और स्टंट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई। एसएसपी ने यह भी बताया कि शराब पीकर वाहन चलाने, स्टंट करने और सड़क पर हुड़दंग मचाने वालों से निपटने के लिए पर्याप्त पुलिस के अधिकारी व जवानों की तैनाती के साथ ही पेट्रोलिंग पाटी का गठन किया गया है जो चिन्हांकित स्थानों व मार्गो पर निगरानी रखेंगे। इसके अलावा सभी सीएसपी/एसडीओपी भी चौक-चौराहों पर सक्रिय होकर ड्यूटी करेंगे और सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्त रखेंगे।

पिकनिक स्पॉट पर पुलिस की भारी तैनाती। नए वर्ष के स्वागत के दौरान जिले के पिकनिक स्पॉट पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी पिकनिक स्थलों पर तैनात पुलिस अधिकारी व जवानों को निर्देशित किया गया है कि यहां आने वाले लोगों को सुरक्षा के लिहाज से उन्हें सावधानी बरतने, झरना, जल स्त्रोतों, पोखरी के प्रतिबंधित स्थलों की ओर न जाने की समझाईश देने और सतर्कता बरतते हुए ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए है। इसके साथ ही होमगार्ड के प्रशिक्षित गोताखोरों को भी तैनात किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल मदद मिल सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने आमजन से अपील की है कि नव वर्ष के अवसर पर गलत अफवाहो पर ध्यान ना दें और यदि कोई गलत अफवाह फैलाता है तो उसकी तुरंत सूचना पुलिस को देवें। सोशल मीडिया पर पुलिस लगातार नजर बनाये हुये है। नव वर्ष की आड़ में असामाजिक गतिविधियां करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाएगी, साथ ही अपील की है कि कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करे। किसी भी संदिग्ध/असामान्य गतिविधि या संदिग्ध वस्तु की सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन/पुलिस कर्मियों या पुलिस कंट्रोल रूम के नंबर 9479193999 पर सूचना दे। सूरजपुर पुलिस आपकी सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है।

600 बोरा अवैध धान ज़ब्त

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देश पर अवैध धान परिवहन व भंडारण को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के तहत सूरजपुर एस.डी.एम. श्रीमती शिवानी जायसवाल, खाद्य एवं मंडी की संयुक्त टीम द्वारा 01 ट्रक में 600 बोरा धान ज़ब्त कर थाना जयनगर को सुपुर्द किया गया है । इसमे से कुछ धान के बोरे राजापुर निवासी के गोदाम पर खाली किया गया था और मौके पर कुछ बोरा ट्रक पर ही पाया गया। प्रकरण की जाँच की जा रही है और मंडी अधिनियम के तहत जब्ती की कार्यवाही की जा रही है।

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा (अम्बिकापुर)छत्तीसगढ़

निविदा की संक्षिप्त सूचना

क्रमांक - 3905/दो-9-6/06 अम्बिकापुर दिनांक 27 दिसंबर 2024

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर के मुख्यालय के न्यायालय कक्षों एवं न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में संस्थापक हेतु ब्लू स्टार/वोल्टास/डाईकिन/एल.जी./सैमसंग कंपनी के निर्माताओं/अधिकृत विक्रेताओं/अधिकृत प्रतिनिधि से 2.0 टन क्षमता 3 स्टार कॉपर क्वाइलिंग इंस्टालेशन सहित 06 नग ए0सी0 तथा 1.5 टन क्षमता. 3 स्टार क्वाइलिंग इंस्टालेशन सहित 01 नग ए0सी0 क्रय किया जाना है। क्रय किये जाने वाले ए0सी0 की मेक/कंपनी का निर्धारण क्रय समिति द्वारा गुणवत्ता दर सर्विसिंग आदि के आधार पर किया जावेगा। (क्रय किये जाने वाले ए0सी0 की संख्या अनुमानित व परिवर्तनशील है)

उक्त निविदा की सूचना एवं शर्तें जिला न्यायालय अम्बिकापुर के वेबसाईट surguja.dcourts.gov.in में अपलोड की गई है। उपरोक्त निविदा की शर्तो के अनुसार निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25/01/2025 शाम 4:00 बजे तक नियत की गई है। दिनांक 28/01/2025 के दोपहर 2.15 बजे क्रय समिति के सदस्यों एवं निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में कार्यालय अनुभाग, जिला न्यायालय अम्बिकापुर में निविदा खोली जावेगी,यदि उपस्थित नहीं होते हैं तो उनकी अनुपस्थिति में या जितने लोग उपस्थित होंगे उनकी उपस्थिति में निविदा खोली जायेगी।

स्थान - अम्बिकापुर
दिनांक - 27/12/2024

अध्यक्ष
क्रय समिति
कार्या0 प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश
सरगुजा (अम्बिकापुर)

जी.नं.- 242504982/1

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु रेवती रमन मिश्र महाविद्यालय में बच्चों ने ली शपथ

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024
(घटती-घटना)।

पंडित रेवती रमन मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर में पी.सी.आई. के डी.एम.सी श्री धीरज कुमार सिंह के द्वारा बच्चों को फाइलेरिया रोग से बचाव तथा आगामी 10 फरवरी 2025 से चलने वाले एम.डी.ए. कार्यक्रम पर चर्चा की गई, साथ ही बच्चों के साथ फाइलेरिया को लेकर सवाल जवाब भी किये गए। सभी महाविद्यालय प्रोफेसर, एन. एस. एस.प्रभारी श्री अनिल कुमार व छात्र-छात्राओं ने फाइलेरिया रोधी दवा सेवन को लेकर शपथ भी ली। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, महाविद्यालय के प्रोफेसर, छात्र-छात्राएं एवं श्री सी.के. माहेश्वरी,मलेरिया टेक्निकल सुपर वाइजर उपस्थित रहे।

कार्यालय,कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, (वि./यां.)
संभाग अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक - 4838/ NIT-17/2024-2025/व.ले.लि. दिनांकः 17/12/2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 03/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 08/01/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 09/01/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
कार्य हेतु :-

निविदा प्रपत्र का मूल्य :-750.00 रूपये, निविदाकारों की श्रेणी :- ई-पंजीयन के अंतर्गत 'द' से 'अ' तक तथा कार्य की अवधि दिनांक 30/08/2025 तक वर्षा ऋतु सहित निर्धारित है।

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम NoOfCalls (प्रथम आमंत्रण)	कार्य की अनुमानित लागत) लाख में अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू.में)
1	2	3
T0181	सरगुजा जिले के अंतर्गत मॉ महामाया एसरपोर्ट अम्बिकापुर के पेसंजर टर्मिनल भवन में एक्सटेंशन के विद्युतीकरण कार्य हेतु	9.29-6964.00-139275.00
T0183	सरगुजा जिले में ब्लाक मैनपाट के अंतर्गत कोटछाल से गौतम चौक तक लम्बाई 450 मीटर सी.सी. सड़क में स्ट्रीट लाइट का कार्य ।	14.16-10620.00-212400.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (वि0/यां0) संभाग
अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

जी.नं.- 242504963/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी,सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम -केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मनीषा टोप्पो पति श्री दौलेन अमलोन टोप्पो, जाति उराँव, निवासी ग्राम सतपता, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम केशवनगर प0ह0नं0 24, रा0नि0मं0 केशवनगर तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 712/12 रकबा 0.040 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 07/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/अपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/12/24 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

स्वराज माजदा ने ऑटो को मार टक्कर एक महिला की मौत,10 गंभीर

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

दशगात्र कार्यक्रम के दिन परिवार,रिश्तेदार समेत 12 महिलाएं सोमवार को नदी में नहाने गई थीं। रात में ऑटो में सवार होकर सभी घर लौट रही थीं। इसी बीच बिश्रामपुर-सूरजपुर के बीच नेशनल हाइवे पर ग्राम पचिरा के पास तेज रफ्तार मिनी ट्रक (स्वराज माजदा) ने ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे के बाद महिलाओं में चीख-पुकार मच गई और सभी घायल हो गईं। राहगीरों व पुलिस द्वारा एंबुलेंस से सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया। इसी बीच रास्ते में एक महिला की मौत हो गई। जबकि 10 गंभीर महिलाओं को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरौल में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। सोमवार को दशगात्र कार्यक्रम में परिवार की 12 महिलाएं बिश्रामुपर से लगे केनापारा नदी में स्नान आदि करने गई थीं। कार्यक्रम खत्म होने के बाद सभी ऑटो रिक्शा में सवार होकर घर लौट रही थीं। वे रात करीब 8 बजे बिश्रामपुर-सूरजपुर के बीच टोल प्लाजा पार कर ग्राम पचिरा मोड के पास पहुंची ही थीं कि सूरजपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे मिनी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो सडक़ पर पलट गई। कुछ महिलाएं सडक़ पर जा गिरीं तो कुछ वाहन में ही फंसी रहीं। ऑटो में सवार सभी 12 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस व राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही सूरजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिलाओं को एंबुलेंस में सूरजपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। यहां पहुंचने से पहले ही 50 वर्षीय बृहस्पतिया राजवाड़े पति रघु राजवाड़े ने दम तोड़ दिया। जबकि 10 महिलाओं की गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। जबकि एक का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

ये हुए घायल

हादसे में घायल महिलाओं में ग्राम बरौल, कलुआ निवासी मंगली राजवाड़े पति शिवप्रसाद 38 वर्ष, सोनकुंवर पति रामफल रजवार 40 वर्ष, जगनिया पति कवल साय रजवार 42 वर्ष, सुमित्रा पति हरिमोहन रजवार 50 वर्ष, मुन्नी बाई पति नारायण राजवाड़े 50 वर्ष, अंजोरिया पति उमर साय राजवाड़े 25 वर्ष, कलेश्वरी पति सुरेन्द्र राजवाड़े 45 वर्ष, पंचमनी पति रझिया 40 वर्ष, फुलकुंवर पति कवलसाय 38 वर्ष, बहालो राजवाड़े पति उनियार राजवाड़े उम्र 40 वर्ष व ऑटो ड्राइवर सुमेरी पिता ईश्वर राजवाडे 40 वर्ष ग्राम परसापारा शामिल हैं।

सेवानिवृत्त होने पर कलेक्टर ने दी शुभकामनाएं

-संवाददाता-
बलरामपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने साल 2024 के अंतिम दिवस को सेवानृवित्त होने वाले शिक्षक एवं भृत्य को सेवानृवित्ति तिथि को ही पेंशन आदेश प्रदान किया। उन्होंने उनके सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं दी और उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शासकीय कर्मचारियों के जीवन में बहुत अच्छा करने की इच्छा होती हैं, किंतु समय के अभाव के कारण नही कर पाते हैं, इसलिए अब आपकी जो रूची है उस ओर आगे बढ़ते हुए समाज में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

सेवानिवृत्त होने वाले श्री शिव कुमार यादव 07 अक्टूबर 1986 से शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ करते हुए 31 दिसम्बर 2024 को प्रधान पाठक के पद से सेवानिवृत्त हुए। वहीं श्रीमती सुसन्ना तिर्की ने 01 जुलाई 1989 से लगभग 35 वर्ष भृत्य के रूप में सेवा दी। कलेक्टर श्री कटारा ने दोनों कर्मचारियों को आगामी जीवन की शुभकामनाएं दीं।

पेंशन प्रकरणों को शीघ्रता से निराकरण के संबंध में जिला कोषालय अधिकारी श्री संतोष सिंह ने बताया कि कर्मचारी यदि अपनी सेवा पुस्तिका की जांच कराते रहें और समय पर पेंशन फार्म भर कर कार्यालय में जमा कर दें तो पेंशन आदेश जारी होने में विलंब नहीं होता है। कर्मचारी अपने नाम का मिलान अपने आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक से जरूर कर लें ताकि पेंशन के समय कोई समस्या न आये।

सूरजपुर पुलिस ने स्कूली बच्चों को दी यातायात नियमों की जानकारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने यातायात प्रभारी स्वामी आत्मानंद हाईस्कूल सूरजपुर पहुंचे और विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी दी। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने में स्कूली बच्चों की भूमिका अहम है। उन्होंने बच्चों से जिम्मेदार बनने और समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने का भी आह्वान किया।

यातायात प्रभारी फर्दीनंद कुजूर ने कहा कि यातायात के नियमों का सभी को पालन करना चाहिए। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने, ट्रिपल राइडिंग न करने, निर्धारित गति में वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के प्राचार्य को कहा कि बच्चों को बताएं कि बिना लाइसेंस के गाड़ी न चलाएं और न ही चलाने दें। नशे में किसी को वाहन न चलाने दें। घर में जाकर अपने अभिभावकों और पड़ोसियों को भी अपने माध्यम से यातायात नियमों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। इस दौरान यातायात पुलिस ने ट्रैफिक नियमों से संबंधित पम्पलेट विद्यार्थियों को वितरित किया।

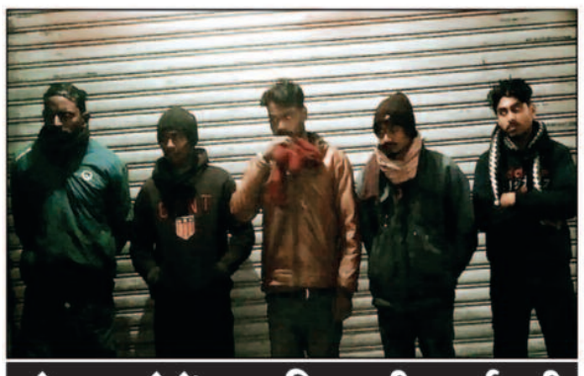

कोयला चोरों पर पुलिस की कार्यवाही, कोयला बोरी में भरकर मोटर सायकल से कर रहे थे परिवहन

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध बड़ी लगातार कार्यवाही कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में दिनांक 30.12.2024 के रात्रि में थाना रामानुजनगर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम साल्ही की ओर से काफी मात्रा में मोटर सायकल चालक के द्वारा अवैध रूप से कोयला परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना रामानुजनगर की पुलिस टीम ने ग्राम रामपुर में घेराबंदी कर 1. प्रदीप पिता विश्वनाथ साहू उम्र 19 वर्ष ग्राम साल्ही, 2. अजय साहू पिता रौशन लाल साहू उम्र 19 वर्ष ग्राम साल्ही 3. चैन सिंह पिता बुधियार सिंह उम्र 29 वर्ष ग्राम दवना 4. सुदामा साहू पिता रामअधीन साहू उम्र 23 वर्ष ग्राम साल्ही 5. विरेन्द्र साहू पिता राजेश्वर साहू उम्र 21 वर्ष ग्राम साल्ही 6. रनसाय पिता संजय राजवाड़े उम्र 21 वर्ष ग्राम अधियारी को मोटर सायकल में बोरी में कोयला भरकर परिवहन करते पकड़ा जो कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-4)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 14 बोरी कोयला एवं परिवहन में प्रयुक्त 7 नग मोटर सायकल जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू व उनकी टीम सक्रिय रही।

अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर निगरानी रखने दिये के निर्देश

लंबित आवेदनों का समय-सीमा में करें निराकरण

-संवाददाता-
बलरामपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने लोक सेवा केंद्रों के प्रकरण, पेंशन प्रकरण, जाति प्रमाण पत्र, सीमांकन, भू-अर्जन, वन अधिकार पट्टा, धान खरीदी और तातापानी महोत्सव के लिए चल रही तैयारियों सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि जिले में संचालित विभागीय योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पहुंचाया जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राथमिकता से योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाए ताकि लोग आसानी से इसका लाभ ले सकें।

कलेक्टर ने श्री कटारा ने प्रधानमंत्री आवास और पीएम जनमन योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की

जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की यह कल्याणकारी योजना गरीब परिवारों के लिये है। उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने चिन्हांकित पीवीटीजी परिवारों को पीएम जनमन योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए सिकल सेल स्क्रीनिंग, क्षय नियंत्रण, आयुष्मान कार्ड, बुजुर्गों के लिए बनाए जा रहे वय वंदन कार्ड, लगाए जा रहे स्वास्थ्य शिविर की जानकारी लेकर निर्देश देते हुए कहा कि शिविरों का सही तरीके से क्रियान्वयन करें, जिससे आमजनों को समय पर सुविधाएं मिल सके। उन्होंने पोषण पुनर्वास (एनआरसी सेंटर) एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि इनकी नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों की बेहतर देखभाल के साथ-साथ डिस्चार्ज होने के बाद भी उनका फॉलोअप करें, ताकि उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो सके।

कलेक्टर श्री कटारा ने जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम के लिए की गई कार्यवाहियों की जानकारी लेते हुए राजस्व और परिवहन विभाग को सतत् निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जनदर्शन और जनसमस्या निवारण शिविरों में आमजनों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का त्वरित एवं नियमानुसार निराकरण करने को कहा। कलेक्टर ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए बारदानों की उपलब्धता, कुल की गई धान खरीदी और समितिवार उठाव के प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि नोडल अधिकारी नियमित निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें की सभी धान खरीदी केन्द्रों में लगे सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से कार्यरत हों। उन्होंने मकर संक्रांति पर्व पर आयोजित होने वाले तातापानी महोत्सव 2025 के लिये चल रही तैयारियों की भी जानकारी ली और कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सौंपे गये दायित्वों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजनों की समस्याएं

समय-सीमा की बैठक पश्चात् कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने समस्याओं के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर श्री कटारा ने लोगों की समस्याएं सुनी और उनसे प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री इंद्रजीत बर्मन, संयुक्त कलेक्टर आर.एन. पाण्डेय, प्रमोद गुप्ता, सर्व अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सर्व जनपद सीईओ सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरगुजा सांसद जिले के दूरस्थ अंचल लुल और खोहिर के ग्रामीणों के साथ मनाएंगे नव वर्ष

-संवाददाता-
सूरजपुर,31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद चिंतामणी महाराज नया साल जिले के दूरस्थ अंचल लुल व खोहिर के ग्रामीणों के साथ मनायेंगे। गौरतलब है कि खोहिर प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत है जो करीब 30 किमी के दायरे में पहाड़ो पर बसा है। भौगोलिक परिस्थितियां के कारण यहां की समस्याएं और चुनौतियां भी अलग हैं। गौरतलब है कि यह क्षेत्र पंडो जनजाति बाहुल्य है और इस पंचायत में यह पहला मौका होगा जब कोई सांसद यहां पहुँच रहा है। इस गांव में सांसद श्री महाराज ग्रामीणों के साथ मिलकर यहां नव वर्ष का स्वागत करेंगे साथ ही ग्रामीणों के साथ समय बिताएंगे और यहां रात्रि विश्राम भी करेंगे। यहां सांसद के रुकने के लिए एक झोपड़ी तैयार की गई है। नए वर्ष के पहले दिन सांसद श्री महाराज ग्रामीणों से मुलाकात कर उनका हाल व उनकी समस्याएं जानेंगे, इस बात कि खबर सुन यहां के ग्रामीण भी काफी उत्साहित है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

-संवाददाता-
सूरजपुर 31 दिसंबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, पालीटेक्निक एवं आई.टी.आई. आदि के संस्था प्रमुख, प्राचार्य, छात्रवृत्ति प्रभारी एवं उनमें अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों जो विभाग द्वारा संचालित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की पात्रता रखते है, उनको सुचित किया जाता है कि शिक्षा सत्र 2024-25 हेतु ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 12वीं से उच्चतर के पंजीयन स्वीकृति एवं वितरण का कार्य http://postmatric-scholarship.cg.nic.in/ वेबसाइट पर ऑनलाइन किया गया है।

इसके साथ ही विद्यार्थी द्वारा ऑनलाईन आवेदन हेतु (नवीन एवं नवीनीकरण) 01 से 31 जनवरी तक, ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 15 फरवरी 2025 तक एवं सैंक्शन ऑर्डर लॉक करने हेतु 01 जनवरी से 28 फरवरी तक निर्धारित तिथियों के पश्चात् शिक्षा सत्र 2024-25 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन हेतु पोर्टल बंद कर दिया जायेगा एवं ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक तथा सेक्शन आर्डर लॉक करने का अवसर भी प्रदान नहीं किया जायेगा। उक्त तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते हैं तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे।

C M Y K

भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली ने वर्ल्ड ब्लिट्ज चेस फाइनल्स क्वॉलीफायर जीता

नई दिल्ली,31 दिसम्बर 2024।भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने वर्ल्ड ब्लिट्ज चेस चैम्पियनशिप में महिला क्वालीफायर जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गोल्ड पदक और 60000 डॉलर पुरस्कार जीतने वाली कोनेरू हम्पी के शानदार प्रदर्शन के बाद वैशाली ने अपने खेल से प्रशंसकों का दिल जीता। उन्होंने महिला वर्ग में 11 में से 9.5 अंक लेकर बाजी मारी ।

रूस की कैटरीना लागनो उनके करीब पहुंची जिनके 8.5 अंक रहे जबकि बाकी छह क्वालीफायर के आठ अंक रहे। हम्पी टाइब्रेकर के कारण नौवें स्थान पर रहकर बाहर हो गई। ओपन वर्ग में दस खिलाड़ी पहले स्थान के लिये बराबरी पर थे जिसमें दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन भी शामिल हैं। कार्लसन ने 13 में से छह मुकाबले ड्रॉ खेले और क्वालीफायर के बाद संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे। रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि ने 9.5 अंक के साथ क्वालीफायर जीता।

हार के बाद बदल जाएगी टीम इंडिया

» प्लेइंग इलेवन में ये बदलाव संभव?

सिडनी, 31 दिसम्बर 2024। भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया पांचवां टेस्ट मैच। यानी लंबी सीरीज का आखिरी मुकाबला। अब इस मैच के शुरू होने में भी ज्यादा वक्त नहीं है। 30 दिसंबर को ही चौथा टेस्ट खत्म हुआ है और 3 जनवरी से अगला मुकाबला शुरू हो जाएगा, जो सिडनी में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पिछले मुकाबले में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। जिसे शर्मनाक से ज्यादा कुछ नहीं कहा जा सकता। यही कारण है कि टीम इंडिया अब सीरीज में पीछे भी हो गई है और लंबे अर्से बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से जाने का खतरा मंडराने लगा है। लेकिन सवाल ये है कि इतने घटिया खेल के बाद क्या कप्तान रोहित शर्मा प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव करेंगे, या फिर हारी हुई टीम को ही फिर से मैदान में उतार देंगे।

शुभमन गिल की जगह वॉशिंगटन सुंदर की हुई थी पिछले मैच में एंट्री

सीरीज के चौथे मुकाबले में बड़ा फैसला ये लिया गया कि शुभमन गिल को बाहर बिठाया गया और उनकी जगह वॉशिंगटन सुंदर की एंट्री कराई गई। अभी तक अगर आपने सीरीज के सारे मैच फॉलो किए हों तो आपको पता होगा कि टीम इंडिया की कमजोर कड़ी बल्लेबाजी ही रही है। गेंदबाजों ने तो अपना काम करके दिया है। अब बॉलर अगर मौका बनाएं और कैच छोड़ दिया जाए तो इसमें कोई क्या ही करेगा। लेकिन इसके बाद भी भारतीय टीम एक बल्लेबाज कम के साथ मैदान में उतरी। माना कि सुंदर बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन क्या वे शुभमन गिल से बेहतर बल्लेबाज है, ये सवाल पूछा जाना चाहिए। ऐसे वक्त में जब भारतीय टीम ने अच्छी गेंदबाजी की,वहां भी मोहम्मद सिराज ऐसे गेंदबाज रहे, जो अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन से जाना पड़ सकता है बाहर

ज्यादा पीछे ना जाते हुए अगर चौथे ही मैच की बात करें तो मोहम्मद सिराज ने मैच की पहली पारी में 23 ओवर में 122 रन खर्च कर दिए और उन्हें एक भी सफलता हाथ नहीं लगी। वे इस पारी में भारतीय टीम के सबसे ज्यादा खर्चीले गेंदबाज रहे। दूसरी पारी में उन्होंने जरूर तीन विकेट अपने नाम किए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना दबदबा बना चुकी थी। वहीं जब मैच ड्रॉ कराने की बारी आई तो वे वहां भी कुछ नहीं कर पाए। ऐसे में हो सकता है कि मोहम्मद सिराज को इस सीरीज के आखिरी मैच की प्लेइंग इलेवन से बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

प्रसिद्ध कृष्णा को दिया जा सकता है आखिरी मुकाबले में मौका

अब सवाल ये है कि अगर मोहम्मद सिराज बाहर होंगे तो उनकी जगह किसी एंट्री होने की संभावना है। तो सबसे प्रबल दावेदार प्रसिद्ध कृष्णा हैं, जो लगातार टीम के साथ बने हुए हैं और अभी तक उन्हें खेलने का मौका नहीं दिया गया है। हो सकता है कि आखिरी टेस्ट में उन्हें मौका मिले और सिडनी के ग्राउंड पर वे कुछ कमाल कर जाएं। टीम मैनजमेंट को ये भी तय करना होगा कि वे दो स्पिनर्स के साथ ही उतरना चाहेगी, या फिर एक ही स्पिनर काफी होगा। अगर दो स्पिनर्स चाहिए तो फिर टीम में और कोई बदलाव नहीं होगा। लेकिन अगर एक ही स्पिनर खेला तो हो सकता है कि शुभमन गिल की वापसी हो जाए। लेकिन आखिरी फैसला क्या हुआ है, इसका खुलासा 3 जनवरी को सुबह साढ़े चार बजे होगा, जब कप्तान रोहित शर्मा टॉस के लिए बीच मैदान पर आएंगे।

क्रिकेट जगत में बज गया मयंक का डंका

» आईपीएल में अनसोल्ड रहे खिलाड़ी ने लगाई सेंचुरी की हैट्रिक

» सीटी के लिए ठोका दावा

मेलबर्न, 31 दिसम्बर 2024। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय ऑस्ट्रेलिया में है और संघर्ष कर रही है। मेलबर्न टेस्ट में हारकर टीम इंडिया 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही है। ऐसे में कई फैंस को उन खिलाड़ियों की याद आ रही है, जिन्होंने पिछले दौरों पर ऑस्ट्रेलिया में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। ऐसे ही एक खिलाड़ी ने लगातार तीसरा शतक ठोक सनसनी मचा दी है। एक तरफ जहां टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है तो वहीं, दूसरी तरफ भारत में घरेलू क्रिकेट की धूम मची हुई है। इस समय भारत में 50 ओवर घरेलू टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी खेली जा रही है जिसमें टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज ने एक-दो नहीं बल्कि बैक टू बैक 3 हैट्रिक जड़ते हुए कहर बरपा दिया है। ये बल्लेबाज हैं कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में लगातार तीसरा शतक ठोकने का बड़ा कारनामा किया।

सेंचुरी की हैट्रिक से मचाई सनसनी

मयंक अग्रवाल ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पंजाब के खिलाफ 127 गेंदों पर 139 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलते हुए नाबाद 100 रन ठोक डाले और अब तीसरे मुकाबले में हैदराबाद के खिलाफ महज 112 गेंदों पर शानदार 124 रनों की पारी खेलने का कमाल कर दिया है। कर्नाटक के लिए पारी का आगाज करते हुए मयंक ने 15 चौके और 2 छक्कों की मदद ये शतकीय पारी खेली और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए अपना दावा ठोका। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अभी तक भारतीय टीम का ऐलान नहीं किया गया है लेकिन खिलाड़ियों के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खुद को साबित करने का शानदार मौका है।

3 साल से टीम से बाहर

मयंक अग्रवाल लंबे समय से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। वह आखिरी बार साल 2022 में टीम इंडिया के लिए टेस्ट खेलते नजर आए थे। वहीं, टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे साल 2020 में खेला था। मयंक इस साल हुए ढ्ढक्क के मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। किसी भी टीम ने उन पर दांव नहीं लगाया था। अब उन्होंने अपने बल्ले से उन सभी लोगों को करारा देने का काम किया है, जो उनकी काबिलियत पर उंगली उठा रहे थे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 के पिछले 3 मैचों में मयंक अग्रवाल का प्रदर्शन

124 (112) बनाम हैदराबाद
100*(45) बनाम अरुणाचल प्रदेश
139*(127) बनाम पंजाब

कोबोली,पाओलिनी ने इटली को यूनाइटेड कप के क्वॉर्टरफाइनल में पहुंचाया

सिडनी,31 दिसम्बर 2024। फ्लेवियो कोबोली ने मैच प्वाइंट बचाकर हार के कगार से वापसी की , जिससे इटली ने फ्रांस को हराकर यूनाइटेड कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

इटालियन ने फ्रांसीसी उगो हम्बर्ट को 3-6, 7-6(8), 6-2 से हराया। उगो हम्बर्ट ने दूसरे सेट में अपने पहले 17 सर्विस प्वाइंट जीते और मैच के लिए 6-3, 5-4 15/0 पर सर्विस की। लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी आगामी टाई-ब्रेक में 8/7 पर मैच प्वाइंट को बदलने में असमर्थ रहे और यह महंगा साबित हुआ।

जैस्मीन पाओलिनी और मिश्रित युगल जोड़ी सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी की जीत के बाद इटली ने टाई को 3-0 से जीत लिया। देश ने अब ग्रुप डी जीत लिया है और मिश्रित टीमों के आयोजन के नॉकआउट चरण में प्रवेश करेगा। फ्रांस को ग्रुप जीतने के लिए इटली को 3-0 से हराना था।

एरानी और वावसोरी की मिश्रित युगल जोड़ी ने एडवर्ड रोजर-वेसलिन और एलिक्सेन लेकेमिया को 6-3, 7-6 से हराया।

इटली के क्वार्टर फाइनल में सुरक्षित रूप से पहुंचने के बाद, दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी पाओलिनी पर कोई दबाव नहीं था, क्योंकि उन्होंने महिला एकल में भाग लिया। 2024 के रौलां गैरो और विंबलडन फाइनलिस्ट शांत और संयमित थीं, क्योंकि उन्होंने क्लो पैक्वेट पर 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की, जिससे मंगलवार को इटली के लिए आधिकारिक रूप से मुकाबला पक्का हो गया।

पाओलिनी ने अपने दो ग्रुप-स्टेज मैचों में केवल चार गेम गंवाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पूर्व शीर्ष 5 खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिक को 6-1, 6-1 से हराया।

साउथगेट नए साल की सम्मान सूची में नाइटहुड से सम्मानित

लंदन, 31 दिसम्बर 2024। इंग्लैंड के पूर्व पुरुष सीनियर फुटबॉल मैनेजर गैरेथ साउथगेट को 2025 के लिए नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया है। एफए ने एक विज्ञप्ति में कहा,इंग्लैंड को चार प्रमुख टूर्नामेंटों में ले जाने और दो यूरो फाइनल और एक विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद, साउथगेट को नाइटहुड से सम्मानित किया गया है।

गैरेथ ने इस साल की शुरुआत में लगभग आठ साल तक प्रभारी रहने के बाद श्री लायंस के बॉस के रूप में अपना पद छोड़ दिया, स्पेन के खिलाफ यूईएफए यूरो 2024 फाइनल के बाद 102 मैचों में 61 जीत, 24 ड्रॉ और 17 हार के साथ। यह उनके द्वारा इंग्लैंड के लिए खिलाड़ी के रूप में 57 कैप और दो गोल तथा सीनियर टीम मैनेजर के रूप में नियुक्ति से पहले इंग्लैंड के पुरुष अंडर-21 के प्रभारी के रूप में 37 मैच खेलने के अतिरिक्त है।

एफए अध्यक्ष डेबी हेविट ने कहा, फुटबॉल एसोसिएशन में हम सभी की ओर से, मैं सर गैरेथ को इस अत्यंत योग्य सम्मान के लिए बधाई देता हूं। एक खिलाड़ी, कोच और परिवर्तन-निर्माता के रूप में खेल में अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने अंग्रेजी फुटबॉल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

भारतीय गेंदबाजों ने कोंस्टास के फॉरवर्ड डिफेंस में खामी को उजागर किया:ओ कीफ

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर 2024। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर केरी ओकीफ ने 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास की बल्लेबाजी तकनीक के बारे में चिंता जताई है, उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर तत्काल समाधान नहीं किया गया तो उनके फॉरवर्ड डिफेंस में खामियां उनके होनहार टेस्ट करियर को पटरी से उतार सकती हैं। ओकीफ की आलोचना कोंस्टास के एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ संघर्ष के बाद आई है, जहां इनस्विंगिंग डिलीवरी के खिलाफ उनकी कमजोरी उजागर हुई थी।

जबकि इनस्विंगिंग डिलीवरी ने कोंस्टास को परेशान किया है, ओकीफ का मानना है कि असली समस्या उनकी फॉरवर्ड डिफेंस तकनीक में है।

फॉक्स क्रिकेट पर बोलते हुए, ओकीफ ने समझाया, भारतीय रणनीतिकारों ने सैम कोंस्टास के फॉरवर्ड डिफेंस में एक समस्या की पहचान की है। यह खामी अब वैश्विक मंच पर उजागर हो गई है और संभवत- दुनिया भर की गेंदबाजी इकाइयों द्वारा इसका लक्ष्य बनाया जाएगा।

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में कोंस्टास दोनों पारियों में इनस्विंग गेंदों पर आउट हुए। पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने उन्हें जल्दी ही परख लिया, हालांकि कोंस्टास बचाव करने के बजाय आक्रमण करके बचने में सफल रहे। हालांकि, दूसरी पारी में बुमराह ने शुरू में आउटस्विंगर फेंकी और फिर कोंस्टास को तैयार किया, लेकिन फिर एक घातक इनस्विंगर फेंकी जिससे उनके स्टंप उखड़ गए।

ओकीफ ने कहा, सैम का अगला कंधा पूरी तरह से ढीला हो जाता है और वह सिर्फ अपने हाथों से खेलता है। वह गेंद को अपने शरीर से दूर धकेलता है। गैप बनता है और बुमराह उसमें से निकल जाता है। उसे बहुत ज्यादा आमंत्रण की जरूरत नहीं है।

कन्नप्पा से मोहनलाल का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी

विष्णु मांचू ने उठाया अभिनेता के किरदार से पर्दा

विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और मोहनलाल के दिलचस्प कैमियो की वजह से चर्चा में है। अब विष्णु मांचू अपनी फिल्म का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। इस बीच उन्होंने फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से मोहनलाल का पोस्टर जारी किया है और उनके किरदार का भी खुलासा कर दिया है।मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल अभिनेता विष्णु मांचू की आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा में किराता की भूमिका निभाएंगे। मोहनलाल का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर जारी किया गया। मोहनलाल इस फिल्म में कई सितारों के साथ कैमियो रोल निभाएंगे। विष्णु मांचू ने एक्स पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, किराता। लीजेंड श्री मोहनलाल कन्नप्पा में। मुझे हमारे समय के सबसे महान अभिनेताओं में से एक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का सम्मान मिला। यह पूरा सीक्वेंस होगा।पोस्टर के अनुसार, मोहनलाल की भूमिका में किराता पशुपतास्त्र (भगवान शिव और देवी काली का मुख्य हथियार) के मास्टर हैं। वह आदिवासी पोशाक पहने हुए हैं और उनके हाथ में तलवार है। वह चेहरे पर रंग लगाए और बालों में लट लगाए हुए हैं और मजबूत और खतरनाक दिख रहे हैं।फिल्म की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। विष्णु मांचू अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर हिंदू भगवान शिव के एक कट्टर भक्त की कहानी पर आधारित है। मुख्य भूमिका निभाने के अलावा विष्णु ने कन्नप्पा की पटकथा भी लिखी है। इसका निर्माण विष्णु मांचू के पिता और दिग्गज अभिनेता-निर्माता मोहन बाबू ने किया है। इसकी शूटिंग न्यूजीलैंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर की गई है।विष्णु मांचू कन्नप्पा में ऐश्वर्या भास्करन, मोहन बाबू, अक्षय कुमार, प्रभास, सरथकुमार, ब्रह्मानंदम, मुकेश ऋषि, मधु और प्रीति मुखुनदन जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आगामी बड़े बजट की फिल्म एवीए एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के बैनर तले बनी है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई कन्नप्पा को तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में डब किया जाएगा। कन्नप्पा 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

राम चरण की फिल्म गेम चेंजर के ट्रेलर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

न्य ईयर आते ही साउथ सुपरस्टार राम चरण अपने फैंस के लिए गेम चेंजर लेकर आ रहे हैं जो 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। फिलहाल इसके ट्रेलर को लेकर भी दर्शक काफी एक्साइटेड हैं। फाइनली इसकी डेट भी सामने आ गई है। वहीं दूसरी ओर उनकी फिल्म को लेकर लोगों में इतना क्रेज है कि आंध्रप्रदेश में सुपरस्टार का बड़ा कटआउट लगाया गया जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। राम चरण की गेम चेंजर का ट्रेलर न्यू ईयर पर यानि 1 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करने जा रहे राम चरम और कियारा आडवाणी की फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म के निर्माता दिल राजू ने हाल ही में एक इवेंट में फिल्म के बारे में रोमांचक अपडेट शेयर करते हुए कहा कि न्यू ईयर के तोहफे के रूप में गेम चेंजर का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। दिल राजू ने कहा, ट्रेलर तैयार है, लेकिन इसे आपके सामने रिलीज करने से पहले कुछ और काम किया जाना है। ट्रेलर किसी फिल्म की रेंज तय करता है. हम आपको वह अनुभव देने के लिए तैयार हैं। ट्रेलर 1 जनवरी को नए साल के मौके पर रिलीज किया जाएगा। गेम चेंजर निर्माता ने फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के बारे में भी जानकारी शेयर की। उन्होंने बताया कि वे आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण को चीफ गेस्ट के रूप में इनवाइट करने का प्लान कर रहे हैं।

मोनालिसा ने थाई स्लिट ड्रेस में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।मोनालिसा भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक लोग कॉमेंट्स कर के रिएक्शंस दे रहे हैं।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर अपलोड करती हैं तो फैंस अक्सर उनके स्टाइल को फॉलो करते हैं।

कवासी लखमा पर केदार कश्यप का वार

» कहा...अनपढ़ थे तो नहीं बनना था मंत्री,बताएं किसने उन्हें मोहरा बनाकर किया इस्तेमाल

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। हाल ही में हुए ईडी के कार्रवाई के बाद छत्तीसगढ़ की राजनीति में हलचल मची हुई है। पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के अनपढ़ वाले बयान के बाद अब मंत्री केदार कश्यप ने तंज कसा है।उन्होंने कहा कि कवासी अगर अनपढ़ थे तो उन्हें मंत्री बनने से इनकार कर देना था।

अधिकारियों ने मेरे अनपढ़ होने का फायदा उठाया : कवासी लखमा

ईडी की छापेमार कार्रवाई के बाद पूर्व मंत्री कवासी लखमा ने कहा था कि सुबह से रात तक ईडी की कार्रवाई चलती रही. एक भी कागज निवास से नहीं मिला। अधिकारियों ने मेरे अनपढ़ होने का फायदा उठाया. अधिकारियों ने जो कागज लाए उसमें दस्तखत करता रहा।

ईडी रेड के बाद पता चला की अनपढ़ है : मंत्री केदार कश्यप

ईडी की रेड के बाद कवासी लखमा की सफाई पर मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कवासी अनपढ़ है। ये बात उन्हें ईडी रेड के बाद पता चल रही है. अनपढ़ वाले बयान पर मंत्री केदार कश्यप ने कवासी लखमा को घेरते हुए कहा कि अनपढ़ थे तो मंत्री बनने से इनकार कर देना था। कवासी बताएं, उन्हें मोहरा बनाकर किसने इस्तेमाल किया. आदिवासी झूठ नहीं बोलते, कवासी सच बोलकर दिखाएं. 2500 करोड़ के घोटाले का असली चेहरा सामने लाएं।

दीपक बैज के बयान पर मंत्री कश्यप का पलटवार

छत्तीसगढ़ को अपराध का गढ़ बनाने वाले पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर मंत्री केदार कश्यप ने पलटवार किया है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस के मंत्रियों के मुंह से एक शब्द नहीं निकलता था। मंत्रियों को कोई जानकारी नहीं होती थी। कांग्रेस ने आपराधिक घटनाओं की ओर धकेलने का कार्य किया, कांग्रेस ने अपराधियों को संरक्षण देने का काम किया लेकिन अब विष्णुदेव साय की सरकार है। कानून से कोई नहीं बच सकता है।

कवासी लखमा को मिलता था मोटा कमीशन

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक और पूर्व उत्पाद शुल्क मंत्री कवासी लखमा (71) ने शराब घोटाले से हुई अपराध की आय का हिस्सा नकदी के रूप में प्राप्त किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दावा किया कि लखमा को हर महीने बड़ी संख्या में नकदी प्राप्त होती थी। ईडी ने इसे लखमा के खिलाफ प्रमुख सबूत बताया है। संघीय एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 28 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के रायपुर, सुकमा और धमतरी जिलों में लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के परिसरों पर छापे मारे थे। तलाशी अभियान लखमा के आवासीय परिसर में चलाया गया था। ईडी अधिकारी का कहना है कि तलाशी अभियान के दौरान पता चला है कि लखमा ने उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल दौरान नकदी के रूप में अपराध की आय प्राप्त की थी।

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने घोटाले से अर्जित आय का किया इस्तेमाल

ईडी को मिले अहम सबूत

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को खुलासा किया कि उसने छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक कवासी लखमा द्वारा कथित शराब घोटाले से अर्जित अपराध की आय के दुरुपयोग से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत जुटाए हैं। ईडी के अनुसार, यह घोटाला 2019-22 के बीच हुआ था, जब राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार थी। ईडी ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान लखमा के आवासीय परिसर में चलाया गया, जो आबकारी मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर अपराध की आय के मुख्य प्राप्तकर्ता थे।

अब सप्ताह में 6 दिन रायपुर,बिलासपुर से अंबिकापुर के लिए भरेंगी उड़ानें

एयरलाइंस ने जारी किया नया शेड्यूल

बिलासपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में हवाई यात्रा को बढ़ावा देने के लिए फ्लाई बिग एयरलाइंस ने बिलासपुर और रायपुर से अंबिकापुर के बीच हवाई सेवा को विस्तार दिया है। पहले यह सेवा सप्ताह में तीन दिन (गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार) संचालित होती थी, लेकिन अब इसे सोमवार से शनिवार तक सप्ताह के छह दिन किया गया है।

सोमवार को पहली उड़ान बिलासपुर एयरपोर्ट पर उतरी परंतु फ्लाइट के नए शेड्यूल का प्रचार प्रसार ना होने के कारण अंबिकापुर से फ्लाइट बिलासपुर और बिलासपुर से अंबिकापुर पूरी तरह खाली आई और गई।

एयरलाइंस के नए शेड्यूल के हिसाब से अब रायपुर से अंबिकापुर की उड़ान सुबह 9:00 बजे प्रारंभ होगी और 10:15 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी। 25 मिनट रुकने के बाद 10:40 पर उड़ान बिलासपुर के लिए रवाना होगी और 11:35 पर यहां लैंड करेगी। ठीक 12:00 दोपहर को बिलासपुर से अंबिकापुर के लिए उड़ान होगी जो 12:55 पर अंबिकापुर पहुंचेगी। वहां से 1:20 पर विमान उड़ कर दोपहर 2:30 बजे रायपुर एयरपोर्ट वापस पहुंच जाएगा।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने बढ़े हुए दोनों और शेड्यूल का स्वागत तो किया है परंतु साथ ही यह मांग की है कि बिलासपुर से यह उड़ान अंबिकापुर जाकर आगे बनारस तक भेजी जाए और वहां से वापसी में यह उड़ान अंबिकापुर होते हुए रायपुर तक शाम के पहले पहुंच जाए. ऐसा होने से बनारस के लिए हवाई सुविधा मिल सकेगी।

समिति ने कहा कि सबसे बेहतर विकल्प तो यह है कि विमान की पार्किंग रायपुर एयरपोर्ट में होने के बजाय बिलासपुर एयरपोर्ट में हो जिससे यहां से अधिक उड़ाने प्रारंभ हो सके। हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने अंबिकापुर की उड़ान के लिए यात्रियों को आधिकारिक सीट बुक करने का आग्रह किया है जिससे कि यह सेवा लगातार चल सके।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को नववर्ष की दी बधाई...

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।उन्होंने शुभकामना व्यक्त करते हुए कहा कि नव वर्ष 2025 हम सभी के जीवन में तरक्की के नये अवसर लेकर लाये और हम सभी के जीवन में भरपूर सुख-समृद्धि का वास हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नव वर्ष हम सभी के लिए शुभ संकल्प लेने का समय है। पिछले साल हमने प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को पूरा करने का संकल्प लिया था और प्रत्येक वर्ग को लाभ पहुंचाने में हमें सफलता मिली। नए वर्ष में भी हम प्रदेश की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सीजी वनरक्षक भर्ती,जल्द ही हो सकती है सीबीआई और ईडी की एंट्री

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में वन विभाग में वन रक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं, इस मामले में जांच एजेंसी सीबीआई और ईडी की इंट्री जल्द ही हो सकती है, विशेष सूत्र के मुताबिक खबर है कि पूर्व सरकार के मंत्री के खास अधिकारी पर सवाल उठा है, पूर्ण तौर पर डिजिटल व्यवस्था के स्थान पर अचानक मैन्युअल प्रक्रिया से काफी युवाओं को फायदा पहुंचाने का आरोप है, अब खबर आ रही है कि हैदराबाद की एक कंपनी और अधिकारी पर सवाल उठ रहे है।

ट्रक चालक ने सड़क किनारे बैठे तीर्थयात्रियों को रौंदा

दो बच्चों की मौत,13 लोग घायल

रायपुर,31 दिसम्बर 2024(ए)। रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर धरसीवां क्षेत्र में बीती रात दर्दनाक हादसे में दो मासूमों की जान चली गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। यह हादसा सिलतरा ओवरब्रिज के पास हुआ, जब एक ट्रक चालक ने सड़क किनारे बैठे तीर्थयात्रियों पर गाड़ी चढ़ा दी।

नववर्ष में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के दावों के बीच राजधानी में डबल मर्डर से फैली सनसनी

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रदेश में अपराध का ग्राफ कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन अपराधी चाकूबाजी, हत्या जैसे कई अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया है। जहां एक ही दिन में दो लोगों की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी का माहौल बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र के चंगोराभांठा इलाके की है। जहां देर रात तीन आरोपियों दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां देर रात 3 बजे एक युवक ने दम तोड़ दिया, तो वहीं दूसरे युवक की सुबह 7 बजे मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अज्ञात आरोपी फरार हो गए। आपको बता दें कि देर रात अज्ञात आरोपियों और युवकों के बीच कुछ बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद अज्ञात आरोपियों ने दोनों युवक पर चाकू से हमला कर दिया। आनन फानन में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों युवक की मौत हो गई। मृतक युवकों को नाम कृष्णा यादव और सचिन बडोले है।

दोहरे हत्याकांड के 4 आरोपी चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार

हत्या की घटना को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुये अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पश्चिम डी.आर.पोर्ते,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल,नगर पुलिस अधीक्षक पुरानी बस्ती राजेश देवांगन,उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह, थाना प्रभारी डी.डी.नगर तथा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट को आरोपियों की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना डी.डी.नगर पुलिस की विशेष टीम द्वारा घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुये आरोपियों के छिपने के हर संभावित स्थानों में लगातार रेड कार्यवाही करते हुये प्रकरण में संलिप्त 04 आरोपियों एवं विधि के साथ संघर्षरत 02 बालक सहित कुल 06 को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी/अपचारी द्वारा त्वरित में हुये विवाद को लेकर कृष्णा यादव एवं सचिन बड़ोले की पास पड़े पत्थर से सिर पर वार कर हत्या करना स्वीकार किया गया। जिस पर सभी 06 को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त पत्थर जप्त कर कार्यवाही किया गया।

घटना की शिकायत के बाद पुलिस से मामले की जांच में जुटी हुई है। इधर घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं दूसरा मामला आमानाका इलाके का है। जहां धीरेन्द्र राजपूत नामक युवक पर चाकू से हमला किया गया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आमानाका पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस बात का जानकारी सामने नहीं आई है कि आरोपियों ने किस बात को लेकर युवक को चाकू मारा है। घटना के बाद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुट गई है। आपको बता दें कि इन दिनों राजधानी में अपराधों की बढ़ती संख्या एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है, प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, जो न केवल सुरक्षा के लिहाज से खतरे की घंटी है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास और शांति के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

मुख्यमंत्री की पहल 7 विशेषज्ञ चिकित्सकों व 35 चिकित्सा अधिकारियों की हुई नियुक्ति

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने व स्वास्थ्य सेवाओं की प्रदायगी हेतु पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संविदा पदों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों व चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर चिकित्सकों की पदस्थापना की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के आदेशानुसार राज्य के रायपुर संभाग के शासकीय अस्पतालों में 06 चिकित्सा अधिकारियों, बिलासपुर संभाग में 12 चिकित्सा अधिकारियों, सरगुजा संभाग में 05 चिकित्सा अधिकारियों, बस्तर संभाग में 06 चिकित्सा अधिकारियों के साथ दुर्ग संभाग में 06 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा आज इन नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारियों की पदस्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। इन डॉक्टरों को संबंधित जिले के विभिन्न ग्रामीण और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा जिला चिकित्सालयों में पदस्थ किया गया है। नवीन संविदा चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना से त्वरित इलाज में तेजी आएगी और चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।विशेषज्ञ चिकित्सकों (संविदा) के जारी आदेश में डॉ. अमिताभ लालजी साहू, जिला अस्पताल बेमेतरा, डॉ. क्षमा चोपड़ा, जिला अस्पताल कबीरधाम, डॉ. निकिता खेस, जिला अस्पताल जांजगीर, डॉ. अनु आनी जॉन, जिला अस्पताल मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, डॉ शोएब खान जिला अस्पताल पंडरी रायपुर, डॉ नील माधव गवेल, जिला अस्पताल रायगढ़ व डॉ महिमा निधि जॉर्ज शास. चिकित्सा महाविद्यालय जिला रायगढ़ में पदस्थापना की गई है। रायपुर संभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी(संविदा) के जारी आदेश में डॉ भारती ठाकुर, डॉ. हरिश चौधरी, डॉ अजीत कुमार पटेल, डॉ. ओजस्वी गौतम, डॉ अनूप कुमार मेहर, डॉ. शिवेन्द्र सिंह मरई शामिल हैं। बिलासपुर संभाग हेतु जारी आदेश में डॉ. ऋचा जोगी, डॉ अरशद आलम, डॉ जीनत शेख, डॉ प्रतीक्षा सिंह, डॉ. लता गुप्ता डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ तेजस्विनी सोनी, डॉ. राजेश्वर प्रसाद कश्यप, डॉ. विरेन्द्र कुमार सार्वा, डॉ राजेन्द्र कुमार साहू, डॉ. सुयश आंचल, डॉ. अनुराग यादव, सरगुजा संभाग हेतु जारी आदेश में डॉ अभिषेक जायसवाल, डॉ. निहारिका कुशवाहा, डॉ. अंकिता बड़ा, डॉ आकांक्षा मिंज, डॉ. अनुराग सिंह यादव का नाम है। दुर्ग संभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी(संविदा) के जारी आदेश में डॉ. प्रखर जंघेल, डॉ. मुकेश कुमार वर्मा, डॉ नेहा रामटेके, डॉ अस्मिन निशा, डॉ शेमोन सिंह ठाकुर, डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ठाकुर हैं। बस्तर संभाग हेतु चिकित्सा अधिकारी(संविदा) के जारी आदेश में डॉ. प्रीति भवानी, डॉ. कविता नाग, डॉ. वैशाली साहू, डॉ. मेहुल पटेल, डॉ गिरधर गोपाल यादव व डॉ अतुल राज खटीक को पदस्थ किया गया है।

हिंदू समाज की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन करेंगे प्रबल प्रताप जूदेव

रायपुर,31 दिसम्बर 2024 (ए)। 651 धर्मान्तरित परिवारों की सनातन धर्म में घर वापसी को लेकर अखिल भारती घर वापसी के प्रमुख प्रबल प्रताप जूदेव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा, सक्ती छत में पांव पखारकर 651 धर्मान्तरित परिवारों की पुन- सनातन धर्म में घर वापसी कराया गया। ईसाई मिशनरियों द्वारा कई वर्षों से सक्ती एवं आसपास के जिलों में धर्म परिवर्तन का विष फैलाया जा रहा है। धर्मान्तरण से चुनाव प्रभावित हो रहा है। पूरे क्षेत्र की डेमोग्राफी बदल रही है। यह अत्यंत गंभीर और चिंता का विषय है। अमित जोगी को लेकर प्रबल प्रताप जूदेव ने कहा, इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। उनकी स्थिति आप देख रहे हैं। जब वो खुद ही क्रिप्टो क्रिश्चन है वो मेरे पर लांछन लगा रहे हैं। ये काम मेरे पिता ने तब से शुरू किया,जब भाजपा नहीं थी। आप अपने आप को सनातनी हिंदू कहते हैं,आपका खुद ही आईडेंटी का पता नहीं है। पंजाब के सीएम चन्नी साहब भी हिंदू हैं, लेकिन वो कुछ और काम करते हैं। ये सभी लोग हिंदू समाज को खोखला कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध प्रदेशभर में एक बड़ा आंदोलन करूंगा। जूदेव ने कहा, दूसरी बड़ी समस्या डीलिस्टिंग की है। वनवासी भाई हैं। उन्हें लाभ मिले, इसके लिए मैं बड़ा प्रदर्शन करूंगा। कुछ धर्मांतरित लोग कन्वर्ट हो रहे हैं और इसका लाभ भी उठा रहे हैं। डीलिस्टिंग होना बहुत जरूरी है। वनवासी समाज जो कन्वर्ट हो गया है उसका आरक्षण बंद होना चाहिए। इसके लिए जशपुर से लेकर रायपुर तक मैं पदयात्रा भी करूंगा।

महिला टीचर ले रही थी महतारी वंदन योजना का लाभ

महासमुंद,31 दिसम्बर 2024 (ए)। महतारी वंदन योजना के तहत अनुचित लाभ लेने वाली शिक्षिका नीलम गोस्वामी पर एफआईआर दर्ज की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर विनय लंगेह के निर्देश पर की गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने रात के समय उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। बता दें कि ग्राम पंचायत घोड़ारी के सचिव रमाकांत गोस्वामी ने अपनी पत्नी नीलम गोस्वामी, जो कि एक शिक्षिका हैं, के नाम पर महतारी वंदन योजना का आवेदन गलत जानकारी देकर भरा था। इसके बाद अनैतिक तरीके से उनके खाते में योजना की राशि भेजी गई।

नीलम गोस्वामी ग्राम केशवा में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह निषेध है कि वे गलत जानकारी देकर किसी सरकारी योजना का अनुचित लाभ प्राप्त करें। कलेक्टर विनय लंगेह ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है और इसका लाभ केवल पात्र हितग्राहियों को ही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग इस योजना का अनुचित लाभ लेने की कोशिश करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने यह भी कहा कि जो लोग नियमों का उल्लंघन करेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इसके अलावा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने ग्राम पंचायत के सचिव रमाकांत गोस्वामी को उनके कृत्य के कारण निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद महतारी वंदन योजना के अनुचित लाभ लेने वालों के खिलाफ आगे और भी कड़ी कार्रवाई की संभावना है।

प्रेमी संग न्यू ईयर मनाने निकली थी युवती,नाराज होकर चलती बाइक से कूदी

खैरागढ़,31 दिसम्बर 2024(ए)। नए साल के स्वागत से पहले खैरागढ़ जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक युवती पूर्व प्रेमी से विवाद के बाद चलती बाइक से कूद गई। हादसे के वक्त बाइक की रफ्तार ज्यादा होने की वजह से युवती गंभीर रूप से घायल हो गई है। युवती अपने पुराने प्रेमी के साथ नए साल का जश्न मनाने के लिए बाहर निकली थी। यात्रा के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखा विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि युवती ने आवेश में आकर चलती हुई बाइक से छलांग लगा दी। बता दें कि बाइक से कूदने के कारण युवती के हाथ और पैर में फ्रैक्चर हो गया है, साथ ही उसके चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में उसे तुरंत खैरागढ़ जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर खैरागढ़ पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)